लखनऊ

गुरुवार, 30 अप्रैल, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 246

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

"कल पर मत छोड़ो, जो आज कर सकते हो क्योंकि आज की मेहनत ही कल का गर्व बनती है।"

TODAY WEATHER

DAY 42° Hi

NIGHT 26° Low

संक्षेप

होर्मुज की बाधा पार कर भारत के लिए सुरक्षित निकला विशाल एलएनजी टैंकर, देश में ऊर्जा संकट होगा खत्म

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका और ईरान की तनातनी ने मिडिल ईस्ट के समंदर को बारूद के ढेर में बदल दिया है। पूरी दुनिया सांसें रोककर बैठी है कि कब कौन सी मिसाइल तेल के बाजार में आग लगा दे। लेकिन इस खौफनाक और दमघोंटू माहौल के बीच एक ऐसी खबर सामने आई है, जिसने भारत की टेंशन छूमंतर कर दी है। जी हां, दुनिया के सबसे खतरनाक और विवादित समुद्री रास्ते 'होर्मुज जलडमरूमध्य' से एक ऐसा चमत्कार हुआ है, जिसकी उम्मीद कम ही लोग कर रहे थे। युद्ध की आहट के बाद पहली बार प्राकृतिक गैस से लदा एक भीमकाय जहाज इस 'मौत के समंदर' को चीरते हुए सुरक्षित बाहर निकल आया है। जहाजों के आवाजाही की जानकारी देने वाले ट्रैकिंग डेटा ने एक बड़ा खुलासा किया है। सोमवार को 'मुबाराज़' नाम के इस विशाल जहाज को भारतीय समुद्री क्षेत्र के आस-पास देखा गया है। इस जहाज में मार्च के महीने में ही संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी के दास द्वीप संयंत्र से एलएनजी भरी गई थी। लेकिन, अचानक युद्ध भड़कने के कारण यह जहाज खाड़ी क्षेत्र में ही बुरी तरह फंस गया था। हालात इतने खराब हो गए थे कि लगभग 31 मार्च को इस जहाज ने अपने सिग्नल भेजने तक बंद कर दिए थे। अब इस सप्ताह भारतीय जलक्षेत्र के करीब इसके दोबारा दिखने से यह उम्मीद जगी है कि दुनिया के सबसे अहम ऊर्जा मार्ग पर तनाव कुछ कम हो रहा है। आंकड़ों के मुताबिक, मुबाराज़ जहाज फिलहाल चीन की ओर बढ़ रहा है और मई के पहले सप्ताह में इसके भारत पहुंचने की पूरी संभावना है।

काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचे ककरू मोदी, 108 बटुकों ने किया शंखनाद, 14 किलो मीटर के रोड शो में बरसाए गए फूल

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी (काशी) में भव्य रोड शो किया। करीब 14 किलोमीटर लंबे इस रोड शो के दौरान शहर देशभक्ति और उत्साह के रंग में रंगा नजर आया। पीएम बीएलडब्ल्यू गेस्ट हाउस से रवाना होकर काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचे, जहां उनका पारंपरिक अंदाज में स्वागत किया गया। मंदिर के प्रवेश द्वार पर 108 बटुकों ने शंखनाद कर प्रधानमंत्री का अभिनंदन किया। इसके बाद उन्होंने बाबा विश्वनाथ के दरबार में विधिवत पूजा-अर्चना की। पांच पंडितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा कराई, उन्हें माला पहनाई गई और त्रिपुंड लगाकर आशीर्वाद दिया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस घड़ी को देखते ही इसकी पूर्ण जानकारी ली। इसको न केवल पास से देखा, बल्कि इसकी कार्यप्रणाली भी समझी। इस घड़ी को कुछ महीने पहले ही काशी विश्वनाथ मंदिर के परिसर में स्थापित किया गया है। यह वैदिक घड़ी इसी महीने की 3 तारीख को मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेंट की थी। ठीक अगल दिन इसे काशी विश्वनाथ मंदिर परिसर में स्थापित कर दिया गया था। बता दें, काशी विश्वनाथ से पहले यह वैदिक घड़ी उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर में स्थापित हो चुकी है।

हरदोई से पीएम मोदी का बड़ा ऐलान- भाजपा 5 राज्यों में बनाएगी जीत की हैट्रिक

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को उत्तर प्रदेश के हरदोई में गंगा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन किया। इस अवसर पर आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मेरठ और प्रयागराज के बीच बना यह एक्सप्रेसवे मां गंगा का आशीर्वाद है और इससे दोनों शहरों के बीच आवागमन सुगम हो सकेगा। उन्होंने इस राजमार्ग को उत्तर प्रदेश की जीवनरेखा बताया। पीएम मोदी ने पश्चिम बंगाल चुनावों के बारे में भी बात की और कहा कि दूसरे चरण में भी बड़ी संख्या में लोग मतदान करने निकले। उन्होंने कहा कि पिछले चुनावों के विपरीत, इस बार चुनाव भय के माहौल के बिना संपन्न हो रहे हैं। इसे लोकतंत्र के सुदृढ़ होने का संकेत बताते हुए उन्होंने मतदान प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी के लिए बंगाल के लोगों की सराहना की।

बंगाल में मतदान का दूसरा चरण इस समय जारी है और रिपोर्टों से पता चलता है कि भारी संख्या में लोग मतदान कर रहे हैं। पहले चरण की तरह ही, लोग बड़ी संख्या में मतदान करने के लिए निकल रहे हैं। लंबी कतारों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। बंगाल में मतदान एक ऐसे निर्भीक वातावरण में हो रहा है, जिसकी पिछले छह-सात दशकों में कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। लोग बिना किसी डर के अपना वोट डाल रहे हैं। यह देश के संविधान और देश में मजबूत होते लोकतंत्र का एक उत्कृष्ट प्रतीक है। मैं बंगाल की जनता के प्रति अपने अधिकारों के प्रति इतनी सजगता दिखाने और बड़ी संख्या में मतदान करने के लिए आभार व्यक्त करता हूं। मतदान समाप्त होने में अभी भी कई घंटे शेष हैं। मैं बंगाल की जनता से आग्रह करता हूं कि वे लोकतंत्र के इस उत्सव में उसी उत्साह के साथ भाग लें।

उन्होंने बिहार विधानसभा और गुजरात नगर निगम चुनावों में भाजपा की शानदार जीत की सराहना करते हुए कहा कि भगवा पार्टी इन पांचों राज्यों में विधानसभा चुनाव जीतकर हैट्रिक बनाएगी। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि इन पांचों राज्यों के चुनावों में भाजपा जीत की ऐतिहासिक हैट्रिक पूरी करेगी। 4 मई के नतीजे विकसित भारत के संकल्प को और मजबूत करेंगे। ये देश के विकास की गति में नई ऊर्जा का संचार करेंगे।

अब मेरठ से प्रयागराज सिर्फ 6 घंटे में, पीएम मोदी ने 12 जिलों को जोड़ने वाले एक्सप्रेसवे का किया उद्घाटन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

हरदोई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 594 किलोमीटर लंबे गंगा एक्सप्रेसवे का बुधवार को हरदोई के मल्लावां में उद्घाटन किया। आधिकारिक बयान के अनुसार लगभग 36,230 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित गंगा एक्सप्रेसवे मेरठ और प्रयागराज के बीच यात्रा के समय को वर्तमान 10-12 घंटे से घटाकर लगभग छह घंटे कर देगा। इसमें कहा गया कि गंगा एक्सप्रेसवे मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ और प्रयागराज सहित 12 प्रमुख जिलों को जोड़ता है।

इससे पहले, प्रधानमंत्री के हरदोई पहुंचने पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत किया और उन्हें स्मृति चिह्न भेंट किया। योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि हरदोई से एक्सप्रेसवे के उद्घाटन के साथ राज्य की विकास यात्रा को नयी गति मिलेगी। उन्होंने छह लेन एक्सप्रेसवे को गांवों, किसानों, उद्यमियों और युवाओं को जोड़ने वाली ''जीवन रेखा'' बताते हुए कहा कि यह विकास को गति देने और दूरियां समेटने में अहम भूमिका निभाएगा। केंद्रीय मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष पंकज चौधरी ने भी इस परियोजना को देश के सबसे लंबे एक्सप्रेसवे में से एक और राज्य को आधुनिक बुनियादी ढांचे का तोहफा बताया।

आधिकारिक बयान के अनुसार प्रधानमंत्री का उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीईआईडीए) की प्रदर्शनी का अवलोकन करने, पौधरोपण करने और जनसभा को संबोधित करने के बाद दोपहर में वापस लौटने का कार्यक्रम है। बयान में कहा गया कि इसे सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल पर विकसित किया गया है। यह छह लेन का एक्सप्रेसवे है, जिसे आठ लेन तक विस्तारित किया जा सकता है। आधिकारिक बयान के अनुसार इसकी एक प्रमुख विशेषता शाहजहांपुर के पास बनी 3.2 किलोमीटर लंबी हवाई पट्टी है, जहां आपात स्थिति में वायुसेना के विमान उतर सकते हैं।

इसमें कहा गया कि पूरे मार्ग पर उन्नत तकनीक आधारित इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस), सीसीटीवी निगरानी, इमरजेंसी कॉल बॉक्स और एम्बुलेंस की व्यवस्था की गई है। बयान में कहा गया कि एक्सप्रेसवे के किनारे 'इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग एंड लॉजिस्टिक्स क्लस्टर' (आईएमएलसी) विकसित किए जा रहे हैं, जिनमें बड़े गोदाम, शीतगृह और खाद्य प्रसंस्करण केंद्र जैसी सुविधाएं निवेश आकर्षित करने और रोजगार सृजन में सहायक होंगी। यह एक्सप्रेसवे पूर्वांचल, आगरा-लखनऊ, बुंदेलखंड और गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे सहित अन्य प्रमुख कॉरिडोर से भी जुड़ेगा, जिससे एक विशाल अंतरसंपर्क तंत्र तैयार होगा। अधिकारियों ने बताया कि यह परियोजना बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा करेगी और उत्तर प्रदेश को एक हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य में अहम भूमिका निभाएगी।

'हेट स्पीच पर पहले से ही कानून मौजूद', सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की याचिकाएं, नई गाइडलाइन बनाने से इनकार

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने हेट स्पीच की परिभाषा तय करने और ऐसे मामलों में कार्रवाई की मांग पर कोई आदेश देने से मना कर दिया है। कोर्ट ने कहा है कि अपराध की परिभाषा और उसकी सजा तय करना उसका काम नहीं है। नफरत फैलाने वाले बयानों को लेकर कानून में पहले से व्यवस्था है। संसद अगर चाहे तो उसके अलावा भी कानून बना सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने जिन याचिकाओं पर यह फैसला दिया है, उन्हें धर्म संसद जैसे आयोजनों के अलावा टीवी पर दिखाए गए कई भड़काऊ कार्यक्रमों को लेकर दाखिल किया गया था। याचिकाकर्ताओं ने 'कोविड जिहाद' और 'यूपीएससी जिहाद' जैसे टीवी कार्यक्रमों के अलावा सोशल मीडिया पर प्रसारित किए जाने वाले कुछ एआई वीडियो का भी मसला कोर्ट में रखा था, लेकिन जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने इन मामलों पर अलग से कोई आदेश देने से मना कर दिया।

ध्यान रहे कि साल 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि इस तरह के मामलों में पुलिस को बिना शिकायत का इंतजार किए खुद FIR दर्ज करनी चाहिए। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि पुलिस अभी भी ऐसे मामलों में ढीला रवैया दिखा रही है।

कोर्ट ने कहा कि सीआरपीसी और उसके बदले लागू किए गए बीएनएसएस में इसे लेकर पर्याप्त व्यवस्था है। अगर थाना प्रभारी केस नहीं दर्ज कर रहा हो तो शिकायतकर्ता एसपी को आवेदन दे सकता है। अगर वहां भी समाधान न मिले तो सीआरपीसी 156(3) या बीएनएसएस 175(3) के तहत मजिस्ट्रेट के पास शिकायत दे सकता है।

कोर्ट में जो याचिकाएं दाखिल हुई थीं, उनमें नई रिट याचिकाओं के अलावा अवमानना से जुड़े आवेदन भी शामिल थे। अवमानना याचिकाओं में कोर्ट के पुराने आदेशों पर अमल न होने की शिकायत की गई थी, लेकिन 2 जजों की बेंच ने सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने सिर्फ एक मामले की सुनवाई जारी रखने की बात कही है। यह मामला उत्तर प्रदेश के नोएडा में काजिम अहमद शेरवानी नाम के याचिकाकर्ता के साथ हुए कथित दुर्व्यवहार से जुड़ा है। इस मामले में जांच अधिकारी के रवैए को मनमाना बताते हुए कोर्ट ने पिछले सप्ताह नाराजगी जताई थी और चार्जशीट में सही कानूनी धाराएं जोड़ने का आदेश दिया था।

राहुल गांधी का मोदी सरकार पर हमला, बोले– ये विकास नहीं, विनाश है

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को नई दिल्ली की ग्रेट निकोबार में चल रही 81,000 करोड़ रुपये की सबसे महत्वाकांक्षी रणनीतिक अवसंरचना परियोजना पर निशाना साधते हुए इसे 'हमारे जीवनकाल में देश की प्राकृतिक और आदिवासी विरासत के खिलाफ सबसे बड़े घोटालों और सबसे जघन्य अपराधों में से एक' बताया। कांग्रेस नेता, जो वर्तमान में द्वीप का दौरा कर रहे हैं, ने कहा कि केंद्र की यह महत्वाकांक्षी परियोजना 'विकास की आड़ में विनाश' के अलावा कुछ नहीं है। राहुल ने एक्स पर लिखा कि सरकार इसे 'परियोजना' कहती है। मैंने जो देखा है, वह कोई परियोजना नहीं है। यह लाखों पेड़ों को काटने के लिए चिह्नित किया गया है। यह 160 वर्ग किलोमीटर का वर्षावन है जिसे नष्ट होने के लिए अभिशप्त किया गया है। यह उन समुदायों को नजरअंदाज किया गया है जिनके घर छीन लिए गए हैं।

ग्रेट निकोबार द्वीप के जंगलों के दौरे के दौरान राहुल गांधी ने कहा कि वहां के पेड़ याद से भी पुराने हैं। उन्होंने आगे कहा कि ये जंगल पीढ़ियों से पोषित हुए हैं और द्वीप पर रहने वाले 'सुंदर' लोगों को उनका हक छीना जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार इसे 'परियोजना' कहती है। मैंने जो देखा है, वह कोई परियोजना नहीं है। लाखों पेड़ कटाई के लिए चिह्नित हैं। 160 वर्ग किलोमीटर का वर्षावन विनाश की कगार पर है। कई समुदायों को नजरअंदाज किया गया है और उनके घर छीन लिए गए हैं। इस विवाद की जड़ में राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण द्वारा इस विशाल अवसंरचना परियोजना को दी गई मंजूरी है, जिसे कांग्रेस ने पहले अधूरा और गलत योजना पर आधारित बताया था। अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह के सबसे दक्षिणी छोर पर एक माल ढुलाई और रसद केंद्र बनाने की योजना की सोनिया गांधी ने पहले भी आलोचना की थी और केंद्र से इस पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया था, जिसमें उन्होंने क्षेत्र की समृद्ध जैव विविधता और स्वदेशी समुदायों का हवाला दिया था।

गाजियाबाद में भीषण अग्निकांड : गौर ग्रीन एवेन्यू में भड़की आग, 7 मंजिलें चपेट में आयी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गाजियाबाद। गाजियाबाद के वैभव खंड (इंद्रापुरम) स्थित गौर ग्रीन एवेन्यू सोसाइटी में बुधवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक ऊंची इमारत की 9वीं मंजिल पर भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग की लपटों ने विकराल रूप धारण कर लिया और टावर की कम से कम 7 मंजिलों को अपनी चपेट में ले लिया। राहत और बचाव कार्य अभी भी जारी है, लेकिन सोसाइटी के बुनियादी ढांचे और संकरी गलियों ने दमकलकर्मियों के लिए बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है।

आग की लपटों ने टावर की ऊपरी और निचली, दोनों मंजिलों को तेजी से अपनी चपेट में ले लिया, जिससे करीब सात मंजिलें बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। लगातार प्रयासों के बावजूद, दमकलकर्मी ढाई घंटे से अधिक समय तक चले अभियान के बाद भी स्थिति को काबू में नहीं ला पाए हैं।

उत्तर प्रदेश अग्निशमन सेवा ने ऊपरी मंजिलों तक पहुंचने के लिए हाइड्रोलिक अग्निशमन उपकरणों को तैनात किया; हालांकि, पहुंच की सीमाओं ने बचाव और आग बुझाने के प्रयासों में काफी बाधा डाली है। टावर के सामने का संकरा रास्ता—जहां सोसाइटी के पार्क और सीमित प्रवेश स्थान के कारण केवल एक ही वाहन गुजर सकता है—बड़ी दमकल गाड़ियों और आधुनिक मशीनों के लिए घटनास्थल तक प्रभावी ढंग से पहुंचना मुश्किल बना रहा है। जैसे-जैसे आग फैलती जा रही है, इमारत की संरचनात्मक सुरक्षा और अन्य मंजिलों को संभावित नुकसान को लेकर चिंताएं बढ़ती जा रही हैं। आपातकालीन टीमें घटनास्थल पर मौजूद हैं और आग को काबू करने तथा इसे और फैलने से रोकने के लिए युद्धस्तर पर काम कर रही हैं।

सीएम योगी ने संज्ञान लिया

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आग लगने की इस घटना का गंभीरता से संज्ञान लिया है। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों को तत्काल घटनास्थल पर पहुंचने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि राहत और बचाव कार्य पूरी तत्परता के साथ चलाए जाएं। अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे बचाव कार्यों में तेजी लाएं, जन सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें और यह सुनिश्चित करें कि इस घटना से प्रभावित लोगों को सभी आवश्यक सहायता प्रदान की जाए।

भारत में सबसे ज्यादा पुरुष तो इस देश में महिलाओं को हो रहा मुंह का कैंसर

नई दिल्ली, एजेंसी। पुरुषों के बीच मुंह कैंसर के मामलों में लगातार इजाफा हो रहा है, इसमें सबसे ज्यादा बढ़ोतरी भारत में हो रही है। हाल ही में भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के एक वैश्विक विश्लेषण में यह बात सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत उन G20 देशों में शामिल है जहां ओरल कैंसर के मामलों में वृद्धि देखी जा रही है। वहीं महिलाओं में दक्षिण कोरिया में पुरुषों के मुकाबले महिलाओं में माउथ कैंसर तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में आइये जानते हैं कि आखिर इसके पीछे क्या वजह है।

ICMR-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ नॉन-कम्युनिकेबल डिजीज एपिडेमियोलॉजी (ICMR-NINE) द्वारा किए गए इस अध्ययन में GLOBOCAN 2022 के आंकड़ों के आधार पर 11 देशों का विश्लेषण किया गया। इसमें पाया गया कि भारत में सर्वाइकल कैंसर के मामलों में गिरावट आई है, लेकिन कुल कैंसर बोझ अभी भी काफी ज्यादा है।

पुरुषों में ओरल कैंसर के बढ़ते मामले

अध्ययन के अनुसार, 10 जी20 देशों – अर्जेंटीना, चीन, जर्मनी, इटली, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, फ्रांस, तुर्की और अमेरिका में से भारत में पुरुषों में मुख कैंसर के मामलों में वृद्धि दर्ज की गई। यहां पुरुषों के बीच ओरल कैंसर के मामलों में हर साल लगभग 1।20 प्रतिशत की इजाफा हो रहा है। वहीं चीन (1.10%), कनाडा (0.94%) और अमेरिका (0.57%) में भी इस कैंसर के मामलों में बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

ओरल कैंसर का सबसे बड़ा कारण

ICMR-NINE के निदेशक डॉ। प्रशांत माथुर के मुताबिक भारत में ओरल कैंसर एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या बना हुआ है। उन्होंने बताया कि ओरल कैंसर के पीछे सबसे बड़ा कारण तंबाकू का सेवन है, खासकर गुटखा, पान और खैनी जैसे स्मोकलेस उत्पाद। इसके अलावा शराब का सेवन और सुपारी चबाने की आदत भी इस बीमारी के खतरे को बढ़ाती है। तंबाकू के लगातार सेवन की वजह से यह समस्या गंभीर रूप लेती जा रही है।उन्होंने कहा कि ये आदतें अक्सर कम उम्र में शुरू हो जाती हैं और सामाजिक रीति-रिवाजों में गहराई से समाई होती हैं।

भविष्य के आंकड़े चिंताजनक

ICMR-NINE के अनुमानों के अनुसार, भारत में 2024 में करीब 15.6 लाख नए कैंसर मामले और 8.74 लाख मौतें दर्ज की गईं। अगर यही रुझान जारी रहा, तो 2045 तक यह संख्या बढ़कर 24.6 लाख मामलों तक पहुंच सकती है। अकेले पुरुषों में ओरल कैंसर के 113,000 से अधिक नए मामले सामने आने की आशंका है। GLOBOCAN के अनुसार, वैश्विक स्तर पर 2022 में लगभग 2 करोड़ नए कैंसर के मामले और 97 लाख मौतें दर्ज की गईं।

देर से पहचान बड़ी चुनौती

अध्ययन में पाया गया कि भारत में ओरल कैंसर के अधिकांश मामलों का पता तब चलता है जब बीमारी काफी आगे बढ़ चुकी होती है। जिसकी वजह से इसका इलाज महंगा और जटिल हो जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि समय पर जांच और शुरुआती पहचान से इस बीमारी को नियंत्रित किया जा सकता है।

महिलाओं में ये देश सबसे आगे

वहीं महिलाओं में ओरल कैंसर की बात करें तो इसमें दक्षिण कोरिया का नाम सबसे ऊपर है। यहां पुरुषों के मुकाबले महिलाओं में मुंह के कैंसर की बीमारी सबसे ज्यादा है। यहां महिलाओं में इसकी वृद्धि दर सबसे अधिक प्रतिवर्ष 2।17 प्रतिशत दर्ज की गई है। इसके बाद फ्रांस (1.93 प्रतिशत) और कनाडा (0.54 प्रतिशत) का स्थान रहा। दक्षिण कोरिया में महिलाओं में मुंह के कैंसर की बढ़ती दर का मुख्य कारण बदलती जीवनशैली, ह्यूमन पैपिलोमावायरस (HPV) संक्रमण, धूम्रपान रहित तंबाकू का उपयोग और शराब का बढ़ता सेवन शामिल है।विशेष रूप से युवा महिलाओं में। 2001-2021 के डेटा बताते हैं कि युवा आबादी में भी जीभ के कैंसर के मामले बढ़े हैं।

स्तन कैंसर

विश्लेषण किए गए सभी 11 देशों में स्तन कैंसर महिलाओं में सबसे आम कैंसर बना हुआ है। दक्षिण कोरिया में इसके मामलों में सबसे तेजी से वृद्धि देखी गई (प्रति वर्ष 5.07 प्रतिशत), उसके बाद तुर्की (2.42 प्रतिशत), चीन (2.03 प्रतिशत), भारत (1.83 प्रतिशत) और इटली (1.04 प्रतिशत) का स्थान रहा।

सर्वाइकल कैंसर

सर्वाइकल कैंसर के मामलों में चीन में प्रति वर्ष 6.11 प्रतिशत की तीव्र वृद्धि दर्ज की गई। वहीं, भारत में इसमें सालाना -4.19 प्रतिशत की गिरावट देखी गई, इसके बाद दक्षिण कोरिया (-0।20 प्रतिशत), अर्जेंटीना (-1.62 प्रतिशत) और अमेरिका (-1.17 प्रतिशत) का स्थान रहा। भारत में महिलाओं में स्तन और सर्वाइकल कैंसर दो सबसे आम कैंसर बने हुए हैं। डॉ। माथुर का कहना है कि हाल के दशकों में भारत में सर्वाइकल कैंसर के मामलों में लगातार गिरावट देखी गई है। उन्होंने कहा, स्क्रीनिंग और एचपीवी टीकाकरण में सुधार के साथ आगे भी गिरावट की उम्मीद है।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत जागरूकता अभियान, महिलाओं को सुरक्षा व अधिकारों की दी जानकारी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित मिशन शक्ति 5.0 के द्वितीय चरण के अंतर्गत महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को बढ़ावा देने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जिले के सभी थानों द्वारा इस अभियान को सक्रिय रूप से संचालित किया गया।

अभियान के तहत पुलिस टीमों ने सार्वजनिक स्थलों, स्कूलों और अन्य जगहों पर पहुंचकर महिलाओं, बालिकाओं और आम लोगों को उनके अधिकारों और सुरक्षा उपायों के बारे में जागरूक किया। इस दौरान महिलाओं के खिलाफ अपराधों की रोकथाम, आत्मरक्षा के तरीके और कानूनी सहायता से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी साझा की गई। कार्यक्रम में विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी गई, जिनमें महिला हेल्पलाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112, एम्बुलेंस सेवा 108, बाल सहायता नंबर 1098 और साइबर हेल्पलाइन 1930 शामिल हैं। साथ ही लोगों को पोर्टल के उपयोग के लिए भी प्रेरित किया गया। पुलिस का यह अभियान महिलाओं को सुरक्षित और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

उन्नाव में बोलेरो और डंपर की भिड़ंत, खाई में पलटी दोनों गाड़ियां ; 5 से 6 लोगों की मौत की आशंका

आर्यावर्त संवाददाता

उन्नाव। सुमेरपुर भगवंत नगर मार्ग पर किरतपुर गांव के सामने डंपर व बोलेरो की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों वाहन खंती में जाकर पलट गए। बोलेरो में बैठे पांच से छह लोगों के बुरी तरह दबकर मरने की आशंका जताई जा रही है।

हादसा बिहार क्षेत्र में सुबह 10:30 बजे हुआ। बक्सर की ओर से डंपर सुमेरपुर की ओर आ रहा था, जबकि बोलेरो बक्सर की ओर जा रही थी। कीरतपुर के पास दोनों की आमने-सामने टक्कर हो गई।

टक्कर इतनी भीषण थी की बोलेरो में बैठे सभी लोग क्षतिग्रस्त बाडी में दब गए। मांस के लोथड़े बाहर पड़े मिले। ग्रामीणों ने बोलेरो के अंदर से किसी का शोर सुनता न देख राहत बचाव कार्य शुरू किया। बोलेरो बुरी तरह क्षतिग्रस्त होने से लगभग आधा घंटे तक किसी को बाहर नहीं निकाला जा सका। पुलिस ने बोलेरो की बॉडी को काटने के लिए कटर क्रेन मंगाई है। एसओ बिहार राहुल सिंह ने बताया कि बोलेरो में कितने लोग हैं अभी इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। अंदर फंसे लोगों को बाहर निकालने का प्रयास किया जा रहा है।

न्यायालयों का समय बदला : अब सुबह 7 बजे से दोपहर 1 बजे तक लगेंगी अदालतें, एटा में लू और गर्मी के चलते निर्णय

आर्यावर्त संवाददाता

एटा। भीषण गर्मी और लू के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए जनपद में न्यायालय के समय में बदलाव कर किया गया है। उच्च न्यायालय इलाहाबाद के निर्देश और कलेक्टर बार एसोसिएशन एटा की सहमति के बाद एक मई से 30 जून तक न्यायालयों की नई समय-सारिणी लागू की गई है। अब न्यायालयों की कार्रवाई सुबह सात बजे से शुरू होकर दोपहर एक बजे तक संचालित होगी। इससे अधिवक्ताओं, वादकारियों और कर्मचारियों को दोपहर की तेज धूप और गर्मी से राहत मिलेगी।

आदेश के अनुसार कार्यालय समय सुबह 6:30 बजे से सात बजे तक रहेगा। प्रथम सत्र में नियत कार्य सुबह सात बजे से 10:30 बजे तक होगा। इसके बाद 10:30 से 11 बजे तक मध्यांतर रहेगा। द्वितीय सत्र में 11 बजे से दोपहर एक बजे तक कार्य संपादित किया जाएगा। दोपहर एक बजे से 1:30 बजे तक कार्यालय संबंधी कार्य होंगे।

भीषण गर्मी व लू के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए लिया गया निर्णय

सत्र न्यायालय में जमानत याचिकाओं की सुनवाई सुबह आठ बजे से होगी, जबकि प्रवेश संबंधी कार्य 11 बजे से किए जाएंगे। अन्य न्यायालयों में जमानत और विविध प्रार्थना पत्रों की सुनवाई पीठासीन अधिकारी की सुविधा के अनुसार की जाएगी। इस संबंध में आदेश की प्रति जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जिला जेल अधीक्षक तथा संबंधित बार एसोसिएशनों को भेज दी गई है और नई व्यवस्था का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

बल्दीराय में मासूम समेत दो की मौत, पेड़ गिरने से महिला गंभीर

सुल्तानपुर। जिले में आई तेज आंधी और बारिश जानलेवा साबित हुई। बल्दीराय थाना क्षेत्र में अलग-अलग हादसों में आठ वर्षीय मासूम बच्ची समेत दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसों के बाद गांवों में मातम पसरा है। कस्बा माफियात निवासी सुरेश कुमार सोनकर की पुत्री महिमा (8) छप्पर के मकान पर ईंट गिरने से दब गई। परिजन उसे निकालकर अस्पताल ले जाने की तैयारी करते, इससे पहले ही उसकी सांसें थम गईं। मासूम की मौत से परिवार में कोहराम मच गया।वहीं सिंघनी गांव निवासी रामबरन (58) पुत्र शिवदास के घर पर तेज आंधी के दौरान पेड़ गिर पड़ा। मलबे में दबने से रामबरन की मौके पर मौत हो गई। जबकि उनकी पत्नी श्यामलली गंभीर रूप से घायल हो गईं। घायल महिला को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

दुल्हन करती रही इंतजार, दूल्हा भाग गया गर्लफ्रेंड के साथ... फिर सामने आई सीक्रेट अफेयर की ये कहानी

आर्यावर्त संवाददाता

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले के शिकोहाबाद क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जहां एक पिता ने अपनी जमापूंजी जोड़कर बेटी की शादी की तैयारी की थी, लेकिन ऐन मौके पर दूल्हे की धोखेबाजी ने सब कुछ तहस-नहस कर दिया। ग्राम नीम खेरिया में सोमवार की रात जो शहनाइयां गूंजनी थीं, वहां अब सन्नाटा और सिसकियां हैं। जानकारी के मुताबिक, अंबे नगर कॉलोनी निवासी जगजीवन राम के पुत्र पुष्पेंद्र की शादी नीम खेरिया निवासी एक युवती नेहा (बदला हुआ नाम) से तय हुई थी।

27 अप्रैल की तारीख शादी के लिए मुकर्रर थी। सोमवार शाम तक घर में उत्सव का माहौल था। महिलाएं मंगल गीत गा रही थीं, बच्चे और रिश्तेदार डीजे की धुन पर थिरक रहे थे। कन्या पक्ष ने दूल्हे के घर से आए संदेश के बाद दुल्हन का लहंगा भी मंगवा लिया था।

रात 8 बजे बारात आने वाली थी, लेकिन जैसे-जैसे घड़ी की सुइयां आगे बढ़ीं, लड़की पक्ष की धड़कनें तेज होने लगीं। रात 9 बजे जब बारात नहीं पहुंची, तो नेहा के परिजनों ने लड़के के चाचा को फोन किया। वहां से जवाब मिला कि दूल्हा गायब है और शायद किसी ने उसका अपहरण कर लिया है।

रिश्तेदार लड़की के साथ फरार हुआ दूल्हा

लड़की पक्ष ने जब अपने स्तर पर छानबीन की, तो सच्चाई सामने आई कि दूल्हे का अपहरण नहीं हुआ, बल्कि वह अपनी एक रिश्तेदार युवती के साथ घर छोड़कर भाग गया है। बताया जा रहा है कि पुष्पेंद्र उसी युवती से शादी करना चाहता था और यह बात वर पक्ष को पहले से पता थी। इस खुलासे के बाद शादी वाले घर में हड़कंप मच गया। दुल्हन नेहा, जो हाथों में पिया के नाम की मेहंदी लगाए और हजारों सपने संजोए बैठी थी, वह गुमसुम हो गई। उसके मन में बस एक ही सवाल था कि अगर शादी नहीं करनी थी, तो पुष्पेंद्र ने पहले मना क्यों नहीं किया।

मजदूर पिता पर टूटा दुखों का पहाड़

दुल्हन के पिता पेशे से मजदूर हैं। उन्होंने अपनी मेहनत की कमाई से शादी के लिए 4 से 5 लाख रुपये का सामान और उपहार पहले ही वर पक्ष को सौंप दिए थे। रात 2 बजे तक जब बारात आने की कोई उम्मीद नहीं बची, तो थक-हारकर कन्या पक्ष ने शिकोहाबाद थाने में तहरीर दी। आरोपी दूल्हा पुष्पेंद्र नगर निगम के जलकल विभाग में संविदा पर तैनात है।

समझौते की कोशिश और पुलिस की कार्रवाई

बारात न आने और बदनामी होने के बाद अब वर पक्ष बैकफुट पर है। दोनों पक्षों के बीच अब शादी में हुए खर्च और सामान को लौटाने को लेकर पंचायत और समझौते की बात चल रही है। वर पक्ष सारा सामान वापस करने को राजी हो गया है।

मामले में पुलिस का बयान

प्रभारी निरीक्षक अनुज कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि दूल्हा किसी अन्य युवती के साथ चला गया है। लड़की के पिता की ओर से मिली शिकायत के आधार पर पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, इस घटना के बाद से पूरे इलाके में दूल्हे की इस हरकत की निंदा हो रही है और हर कोई पीड़ित दुल्हन के प्रति सहानुभूति जता रहा है।

प्रधानी चुनाव की रंजिश में पीट-पीटकर हत्या, मुकदमा दर्ज

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। शिवगढ़ कोतवाली क्षेत्र के भीटौरा गांव में ग्राम प्रधान के खिलाफ चल रही शिकायत की जांच की रंजिश में 28 वर्षीय युवक जसवंत सिंह की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मंगलवार शाम बाजार से घर लौटते समय दबंगों ने उसे घेर लिया और लाठी-डंडों व कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। गंभीर हालत में अस्पताल ले जाए गए जसवंत को लखनऊ ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया,लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। वारदात के बाद गांव में तनाव व्याप्त है।मृतक के भाई बलवंत सिंह के मुताबिक जसवंत सिंह शिवगढ़ बाजार से सब्जी लेकर बाइक से घर लौट रहे थे। भटौरा इंटर कॉलेज के पास शंकर यादव के घर के सामने पहले से घात लगाए हमलावरों ने उनकी बाइक रुकवा ली। आरोप है कि नीचे गिराकर लाठी,डंडों और कुल्हाड़ी से बेरहमी से हमला किया गया। राहगीरों की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे और उन्हें अस्पताल पहुंचाया। परिजनों का आरोप है कि गांव में ग्राम प्रधान के कार्यों में भ्रष्टाचार की शिकायत की जांच चल रही थी। इसी शिकायत के कारण प्रधान पक्ष के लोग जसवंत से रंजिश रखते थे। जांच से नाराज आरोपियों ने सुनियोजित ढंग से वारदात को अंजाम दिया। मृतक के भाई की तहरीर पर ग्राम प्रधान मान सिंह, रामशरण, रामजस, रामसुरेश, नीरज, सूरज, धनंजय समेत अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक बृज नारायण सिंह ने बताया कि शाम करीब सात बजे मारपीट की सूचना मिली थी। घायल को तत्काल अस्पताल भेजा गया, जहां उपचार के दौरान मौत हो गई। तहरीर के आधार पर एफआईआर दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। थाना अध्यक्ष चंद्रभान ने बताया कि कुछ लोगों को पूछताछ के लिए बुलाया गया है।

हैंडबैग लेकर भागे उचक्के को पकड़ने के लिए चलती ट्रेन से कूदी महिला

प्रयागराज। अपने बच्चों के साथ दानापुर स्पेशल ट्रेन से सफर कर रही एक महिला का हैंडबैग एक उचक्का छीनकर ट्रेन से कूदा तो वह भी पीछा करते हुए कूद गई। घटना मंगलवार भोर की है। गनीमत रही कि ट्रेन की रफ्तार कम थी और महिला को गंभीर चोटें नहीं आईं। करछना सीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद उसे दूसरी ट्रेन से भेज दिया गया। मामले की शिकायत आरपीएफ थाने में दर्ज की गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बिहार के वैशाली जिला थाना महोवा गांव अपसियालपुर निवासी नूतन देवी (40) पत्नी संतोष सिंह अपनी बेटी सिमरन और बेटे साहिल कुमार के साथ दानापुर स्पेशल ट्रेन (संख्या 04088) से दानापुर जा रही थीं। यह ट्रेन नई दिल्ली से दानपुर जाती है। कोच संख्या एस-3 तीनों का रिजर्वेशन था। रात करीब तीन बजे पचदेवरा और भीरपुर के बीच नूतन देवी शोर मचाते हुए ट्रेन से नीचे कूदीं को कोच में हड़कंप मच गया।

ऑंचल के नेतृत्व में रेतवा में नि :शुल्क मोस्ट पाठशाला का हुआ उद्घाटन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। बीते मंगलवार को देर सायं विकास खण्ड पी.पी. कमैचा के साढ़ापुर (रेतवा) में निःशुल्क मोस्ट पाठशाला का उद्घाटन किया गया, जिसका संचालक ऑंचल निषाद व संरक्षण विवेक निषाद ष्विक्कीष् के द्वारा किया जाएगा।

उक्त अवसर पर मोस्ट निदेशक शिक्षक श्यामलाल निषाद गुरुजी ने कहा कि जिस जाति व क्षेत्र में शिक्षा का प्रसार जितना कम है वह जाति व क्षेत्र सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक दृष्टि से उतना ज्यादा पिछड़ा है, समाज को शिक्षा के माध्यम से ही सामाजिक समानता और आर्थिक संपन्नता व शोषण से मुक्ति मिल सकती है। मोस्ट निदेशक ने समाजसेवियों से अपील की कि गाँव और समाज का वास्तव में स्वाभिमान और सम्मान बढ़ाना चाहते हैं तो आपसी मतभेद भुलाकर गाँव-गाँव, पठन-पाठन का माहौल बनाने के लिए हर सम्भव सहयोग करना होगा।

मोस्ट प्रदेश प्रमुख जीशान अहमद ने कहा कि जिस दिन मोस्ट समाज समझ जायेगा कि शिक्षा से ही सामाजिक स्तर में सुधार हो सकता है उसी दिन से सामाजिक कार्यों का मूल्यांकन शिक्षा के क्षेत्र में किये गए कार्यों और प्रयासों से किया जाएगा। मोस्ट प्रदेश कमेटी सदस्य बाबू रज्जन प्रसाद बौद्ध ने कहा कि मोस्ट कल्याण संस्थान समाज के पिछड़ेपन को समाप्त करने के लिए गाँव-गाँव बच्चों के पठन-पाठन का माहौल बनाना चाहता है। इस मौके पर प्रधान दिनेश कुमार निषाद, अनिल कुमार निषाद, मनीष, अमित, कपिल निषाद, करीना निषाद, गरिमा, आदर्श निषाद, अवनीश निषाद, राय साहब निषाद सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

स्कूल वाहनों पर सख्ती 174 फिटनेस समाप्त, 442 वाहन ब्लैकलिस्ट

सुल्तानपुर। जिले में स्कूली वाहनों की सुरक्षा और नियमों के पालन को लेकर परिवहन विभाग ने कड़ा रुख अपनाया है। सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) ने जानकारी दी कि अपर मुख्य सचिव, परिवहन विभाग एवं परिवहन आयुक्त, उत्तर प्रदेश के निर्देश पर उ०प्र० मोटरयान नियमावली 1998 के तहत स्कूल वाहनों के लिए विशेष प्रावधानों का सख्ती से अनुपालन कराया जा रहा है।

इसी क्रम में परिवहन विभाग द्वारा विकसित पोर्टल के माध्यम से जनपद के सभी 3639 विद्यालयों को ऑनबोर्ड कर लिया गया है। साथ ही उनके अंतर्गत संचालित सभी वाहनों का निरीक्षण भी पूरा कर लिया गया है। निरीक्षण के दौरान चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। कुल 174 वाहनों के फिटनेस प्रमाण पत्र समाप्त पाए गए, जबकि 215 वाहनों के परमिट खत्म हो चुके हैं। इसके अलावा 227 वाहनों ने अब तक परमिट ही प्राप्त नहीं किया है।

बुलेट ट्रेन की गति से दौड़ रहा यूपी ! गंगा एक्सप्रेसवे के बाद बनेंगे 11 नए एक्सप्रेसवे, 3200 KM का नेटवर्क... 3 साल में बदलेगी सूरत

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। उत्तर प्रदेश के विकास की रफ्तार अब बुलेट ट्रेन की गति से आगे बढ़ने को तैयार है। बुधवार को यानि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरदोई में देश के सबसे लंबे ग्रीनफील्ड गंगा एक्सप्रेसवे का लोकार्पण कर राज्य को एक नई पहचान दी। लेकिन यह तो सिर्फ शुरुआत है। उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (UPEIDA) ने अब 'मिशन 2029' का खाका तैयार कर लिया है, जिसके तहत अगले पांच वर्षों में प्रदेश के एक्सप्रेसवे नेटवर्क को 3200 किलोमीटर तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है।

36,230 करोड़ रुपये की भारी-भरकम लागत से तैयार 594 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेसवे पश्चिमी उत्तर प्रदेश को सीधे पूर्वी उत्तर प्रदेश से जोड़ता है। यह मार्ग मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ और प्रयागराज समेत 12 जिलों के 519 गांवों की तकदीर बदलेगा। इस छह लेन (जो भविष्य में आठ लेन तक विस्तारित होगा) एक्सप्रेसवे पर वाहनों की निर्बाध आवाजाही के लिए 14 बड़े पुल, 165 छोटे पुल और 32 फ्लाईओवर बनाए गए हैं।

सुरक्षा और सामरिक महत्व: 3.5 किमी की हवाई पट्टी

गंगा एक्सप्रेसवे सिर्फ एक सड़क नहीं, बल्कि आपात स्थिति में भारतीय वायुसेना का एक रनवे भी है। शाहजहांपुर के पास 3.5 किलोमीटर लंबी हवाई पट्टी विकसित की गई है, जहां लड़ाकू विमानों की लैंडिंग कराई जा सकेगी। इसके अलावा, मेरठ और प्रयागराज में दो मुख्य टोल प्लाजा के साथ 19 रैंप टोल प्लाजा और 9 अत्याधुनिक जन सुविधा केंद्र बनाए गए हैं।

देश के एक्सप्रेसवे नेटवर्क में 60% हिस्सेदारी

गंगा एक्सप्रेसवे के शुरू होते ही उत्तर प्रदेश में संचालित एक्सप्रेसवे की कुल लंबाई 1910 किलोमीटर तक पहुंच गई है। यह आंकड़ा देश के कुल एक्सप्रेसवे नेटवर्क का 60 प्रतिशत से भी अधिक है। आगामी मई माह में जब लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे शुरू होगा, तो यह नेटवर्क बढ़कर 1973 किलोमीटर हो जाएगा।

मिशन 2029: 11 नई परियोजनाओं पर काम शुरू

यूपीडा (UPEIDA) के मुताबिक, राज्य सरकार केवल गंगा एक्सप्रेसवे पर नहीं रुक रही है। प्रदेश में कनेक्टिविटी का ऐसा जाल बिछाने की तैयारी है कि हर शहर एक्सप्रेसवे से जुड़ जाए। राज्य में वर्तमान में 11 नई लिंक और मुख्य एक्सप्रेसवे परियोजनाओं पर प्रारंभिक कार्य शुरू हो चुका है। कई रूटों के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया अंतिम चरणों में है। 2029 तक एक्सप्रेसवे की कुल लंबाई 3200 किमी पहुंचाने का लक्ष्य है, जो किसी भी भारतीय राज्य के लिए एक रिकॉर्ड होगा।

आर्थिक और औद्योगिक क्रांति का आधार

इन एक्सप्रेसवे के किनारों पर औद्योगिक गलियारे विकसित किए जा रहे हैं। इससे लॉजिस्टिक्स की लागत कम होगी और उद्योगों को कच्चा माल लाने व तैयार माल भेजने में आसानी होगी। मेरठ से प्रयागराज तक के सफर में समय की भारी बचत से न केवल आम जनता को लाभ होगा, बल्कि व्यापार और निवेश के लिए उत्तर प्रदेश 'पहली पसंद' बनेगा। यूपी पहले से ही एक्सप्रेसवे के मामले में अग्रणी है। फिलहाल यहां निम्नलिखित मार्ग संचालित हैं:

यमुना एक्सप्रेसवे (नोएडा से आगरा)

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे (लखनऊ से गाजीपुर)

बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे (भरतकूप से इटावा)

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे

नोएडा-ग्रेटर नोएडा और दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे

गंगा एक्सप्रेसवे का लोकार्पण यूपी को 'उत्तर भारत का ग्रोथ इंजन' बनाने की दिशा में एक निर्णायक मोड़ है। आने वाले वर्षों में 3200 किलोमीटर का यह विशाल नेटवर्क प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर बनाने के सपने को पंख देगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चल रही ये इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाएं यूपी को वैश्विक स्तर पर एक निवेश हब के रूप में स्थापित कर रही हैं।

यातायात निरीक्षक और पीआरडी व होमगार्ड जवानों के बीच टकराव की अस्ल वजह

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। यातायात निरीक्षक राम निरंजन से सिर्फ पीआरडी और होमगार्ड ही त्रस्त नही है, सूत्र बताते है कि यातायात पुलिस में कार्यरत सिपाही, दीवान व उपनिरीक्षक भी परेशान रहते है, वजह ट्राफिक इंस्पेक्टर ड्यूटी के मामले मे किसी की नही सुनता है, क्योंकि प्रभारी यातायात खुद 12 से 18 घंटे तपतपाती दुपहरिया हो या कड़ाके की ठंड हो वह यातायात व्यवस्थित करते दिखाई देते है, ऐसे में जब इंचार्ज नगर की बेतरतीब यातायात व्यवस्था को ग्राउंड जीरो पर उतरकर पसीना बहाए गा, तो अधिनस्थ कर्मी कैसे आराम फरमाएंगें। सूत्रों की माने तो मौजूदा यातायात निरीक्षक में ड्यूटी को लेकर जिस तरह का जुनून है, वह शायद ही किसी में देखने को मिले, बस इसी बात को लेकर अपने ही खुन्नस खाए बैठे है, हांलाकि यह आग अधिनस्थों में लंबे समय से धधक रही थी, लेकिन बिल्ली के गले में घंटी कौन बांधे बस इसलिए मामला ठंडे बस्ते में रहा, परंतु ज्यों-ज्यों सूर्य महाराज अपने उफान पर चढ़ते गए,आग सी तपिश धरती को गर्म करने लगी तो पीआरडी, होमगार्ड और यातायात के कुछ कर्मी सड़क पर खड़े होने से पहरेज करने लगे, और फिर शुरू हुआ अय्यारी का खेल, कुछ आराम तलब कर्मियों ने यातायात निरीक्षक पर तमाम इल्जाम लगाते हुए पहुंच गए आलाकमान के दरबार तक,और प्रभारी यातायात के खिलाफ कार्रवाई का दबाव बनाना शुरू कर दिया, मौके पर क्षेत्राधिकारी नगर पहुंचकर मामले को संभाला और जांच के बाद कार्यवाही की बात कही, तब जाकर मामला शांत हुआ।

सीएम योगी ने शिव मंदिर पर किया ध्वजारोहण, बोले- हमें देखते ही लोगों के मुख से निकलता है 'जय श्री राम'

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। श्रीराम मंदिर परिसर में धार्मिक उल्लास के बीच शिव मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच ध्वज फहराया। इससे पूर्व उन्होंने भगवान शिव की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया।

वैदिक आचार्यों की उपस्थिति में पूरा कार्यक्रम पारंपरिक विधि-विधान से सम्पन्न हुआ। परिसर के अन्य उपमंदिरों में भी ध्वज आरोहण की प्रक्रिया जारी है। माता भगवती मंदिर पर साध्वी रितम्भरा ध्वज आरोहित करेंगी, जबकि शेषावतार मंदिर पर केशव प्रसाद मौर्य ध्वज फहराएंगे। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विश्व हिन्दू परिषद के प्रतिनिधियों सहित अनेक संत-महंत शामिल हुए।

निर्धारित समय शाम 4:45 बजे उनका कार्यक्रम तय था। लेकिन, अचानक बदले मौसम ने व्यवस्था प्रभावित कर दी। तेज हवा, रिमझिम बारिश और घने बादलों के कारण उनका हेलीकॉप्टर राम कथा पार्क में उतर नहीं सका और उसे महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, अयोध्या में उतारना पड़ा।

इसके बाद मुख्यमंत्री शाम 5:17 बजे श्री राम मंदिर, अयोध्या परिसर पहुंचे, जहां उनका स्वागत किया गया। उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और शिव मंदिर के शिखर पर धर्म ध्वजारोहण कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम में करीब 1000 मेहमानों को आमंत्रित किया गया है। जिसमें विश्व हिंदू परिषद, संघ व भाजपा के पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल हैं।

हम लोग आज भी इसके पाप को महसूस करते हैं

इसके बाद राममंदिर परिसर में मौजूद लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने जब इस आंदोलन को अपने हाथ में लिया तो आंदोलन और बढ़ता गया। इस आंदोलन में जाति की दीवार टूटी है। हम लोग आज भी इसके पाप को महसूस करते हैं। देश के किसी भी कोने में जाते हैं। हमें जैसे ही लोग देखते हैं, तो उनके मुख से निकलता है जय श्री राम।

श्रीरामजन्मभूमि आंदोलन भारत के इतिहास के अत्यंत महत्वपूर्ण अभियान है। दुनिया में ऐसा आयोजन कहीं नहीं हुआ होगा। अपने प्रभु के लिए भारत ही नहीं दुनिया के अंदर जहां सनातन रहा, वहां किसी जाति, धर्म, संप्रदाय, वनवासी हो या राजमहल में रहने वाला व्यक्ति हर एक के मन में एक ही बात रहती थी कि प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर बने। आज से ठीक 298 साल पहले वह काली रात आई थी, जब राम के मंदिर को अपवित्र करके विवादित ढांचा खड़ा कर दिया गया था। लेकिन, बिना किसी डर के राम जन्मभूमि के बारे में सोचा न हो, ऐसा कोई दिन नहीं हुआ।

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म करने वाला अभियुक्त गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। थाना मोहनलालगंज क्षेत्र में शादी का झांसा देकर युवती को अपने साथ ले जाने, उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने तथा गर्भवती होने पर गर्भपात कराने के आरोप में पुलिस ने एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए विशेष टीम का गठन किया और अभियुक्त को दबिश देकर पकड़ लिया।पुलिस के अनुसार दिनांक 27 अप्रैल 2026 को थाना मोहनलालगंज पर लगभग 19 वर्षीय पीड़िता द्वारा सूचना दी गई कि दिनांक 16 अगस्त 2025 को अभिषेक गौतम नामक युवक, निवासी ग्राम डेहवा थाना मोहनलालगंज, उसे शादी का झांसा देकर अपने साथ उत्तराखंड ले गया था। आरोप है कि अभियुक्त ने पीड़िता को विवाह का भरोसा दिलाते हुए एक किराये के कमरे में लगभग तीन माह तक अपने साथ रखा। इस दौरान उसने पीड़िता के साथ शारीरिक संबंध बनाए, जिससे वह गर्भवती हो गई।पीड़िता के अनुसार गर्भवती होने के बाद अभियुक्त ने उसका गर्भपात करा दिया और बाद में उसे उसके घर छोड़ दिया। पीड़िता की तहरीर के आधार पर थाना मोहनलालगंज में मुकदमा संख्या 158/26 धारा 69/89 बीएनएस के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया। मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस ने तत्काल विवेचना प्रारंभ की और पीड़िता के बयान सहित अन्य साक्ष्यों का संकलन किया। जांच के दौरान अभियुक्त के विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य प्राप्त होने पर उसकी गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित की गई।

पुलिस टीम द्वारा लगातार संभावित स्थानों पर दबिश दी गई और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के आधार पर अभियुक्त की तलाश जारी रखी गई। इसी क्रम में 29 अप्रैल 2026 को प्रातः लगभग 7 बजकर 5 मिनट पर ज्योतिनगर तिराहा, थाना मोहनलालगंज क्षेत्र से अभियुक्त अभिषेक गौतम को गिरफ्तार कर लिया गया।गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान अभिषेक गौतम पुत्र सुरेश कुमार गौतम, निवासी ग्राम डेहवा थाना मोहनलालगंज, जनपद लखनऊ, उम्र लगभग 20 वर्ष के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण कर उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की विवेचना जारी है और आवश्यकतानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही यह भी कहा गया कि महिलाओं से संबंधित अपराधों के मामलों में त्वरित और सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है, ताकि पीड़ितों को शीघ्र न्याय मिल सके और समाज में ऐसे अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके।

गंगा एक्सप्रेसवे का लोकार्पण उत्तर प्रदेश के आर्थिक परिवर्तन का नया अध्याय : केशव प्रसाद मौर्य

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। जनपद हरदोई में आज एक ऐतिहासिक अध्याय जुड़ गया, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र के सबसे बड़े एक्सप्रेसवे का लोकार्पण किया। इस गरिमामयी अवसर पर उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रधानमंत्री का भावपूर्ण स्वागत और अभिनंदन किया। कार्यक्रम में प्रदेश के अनेक वरिष्ठ जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर को प्रदेश के आधारभूत ढांचे और आर्थिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अपने संबोधन में कहा कि यह एक्सप्रेसवे केवल एक सड़क परियोजना नहीं है, बल्कि उत्तर प्रदेश के आर्थिक कायाकल्प का मार्ग है। उन्होंने कहा कि यह एक्सप्रेसवे मेरठ

से प्रयागराज को सीधे जोड़ते हुए प्रदेश के पश्चिमी और पूर्वी हिस्सों के बीच संपर्क को मजबूत करेगा। उन्होंने बताया कि इस परियोजना के मार्ग में 12 जनपद शामिल हैं और यह 519 गांवों की सीमाओं से होकर गुजरता है, जिससे बड़ी आबादी को इसका प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस एक्सप्रेसवे के संचालन से पश्चिम से पूर्वी उत्तर प्रदेश तक की दूरी में उल्लेखनीय कमी आएगी और यात्रा समय पहले की तुलना में काफी कम हो जाएगा।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में प्रदेश की सरकार विकास की नई परिभाषा गढ़ रही है और यह एक्सप्रेसवे 'सबका साथ, सबका विकास' के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि एक्सप्रेसवे के दोनों ओर औद्योगिक क्षेत्रों के विकास से लाखों युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। इसके साथ ही माल परिवहन की सुविधा सुगम होने से व्यापारिक गतिविधियों में तेजी आएगी और प्रदेश में निवेश के नए अवसर उत्पन्न होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि प्रयागराज सहित विभिन्न धार्मिक स्थलों की यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं को इस एक्सप्रेसवे के माध्यम से सुरक्षित और तेज यात्रा का अनुभव प्राप्त होगा।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश ने एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था का जो लक्ष्य निर्धारित किया है, उसमें गंगा एक्सप्रेसवे एक सशक्त आधार स्तंभ के रूप में कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि बेहतर संपर्क व्यवस्था निवेश को आकर्षित करती है और निवेश से उद्योगों की स्थापना होती है। उद्योगों की स्थापना से रोजगार के अवसर बढ़ते हैं और रोजगार बढ़ने से लोगों की आय में वृद्धि होती है, जिससे व्यापक आर्थिक विस्तार का मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होंने कहा कि इस दृष्टि से गंगा एक्सप्रेसवे एक आर्थिक गुणक के रूप में कार्य करेगा, जो विकास की इस पूरी श्रृंखला को गति प्रदान करेगा और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में सहायक बनेगा।अपने संबोधन के दौरान उप मुख्यमंत्री ने पश्चिम बंगाल में चल रहे विधानसभा चुनावों के संदर्भ का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां की जनता बदलाव की ओर अग्रसर है और विकास को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वहां के मतदाता विकास के पक्ष में अपना समर्थन दे रहे हैं।

यशोधरा छात्रावास की छात्रा की मृत्यु पर विश्वविद्यालय प्रशासन ने जताया शोक

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय प्रशासन ने यशोधरा छात्रावास में रहने वाली समेकित विज्ञान स्नातक-स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा की दुखद मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया है तथा शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट की हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस घटना को अत्यंत दुखद बताते हुए परिजनों को हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया है। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 20 अप्रैल को दोपहर लगभग तीन बजे छात्रा ने बुखार की शिकायत की थी। इसके उपरांत छात्रा को विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सकीय परामर्श हेतु ले जाया गया, जहां चिकित्सक द्वारा आवश्यक जांच के बाद दवाइयां दी गईं तथा किसी भी प्रकार की समस्या होने पर पुनः सूचित करने की सलाह दी गई।

○ संक्षेप ○

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व बृजेश पाठक ने चिकित्सालय पहुंचकर पूर्व मंत्री नरेन्द्र कुमार सिंह गौर का हालचाल जाना

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बुधवार को उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक के साथ किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ पहुंचकर उपचाराधीन पूर्व मंत्री नरेन्द्र कुमार सिंह गौर से भेंट कर उनका हालचाल जाना तथा कुशलक्षेम की जानकारी प्राप्त की।उप मुख्यमंत्रीगण ने चिकित्सकों से नरेन्द्र कुमार सिंह गौर के स्वास्थ्य की विस्तृत जानकारी प्राप्त की तथा उनके उपचार से संबंधित आवश्यक निर्देश भी दिए। उन्होंने चिकित्सालय प्रशासन से कहा कि उन्हें बेहतर से बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं और उपचार में किसी प्रकार की कोई कमी न रहने दी जाए। इस दौरान उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य एवं उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने पूर्व मंत्री नरेन्द्र कुमार सिंह गौर के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। उन्होंने उनके परिजनों से भी भेंट कर उन्हें आश्वस्त किया कि राज्य सरकार इस कठिन समय में उनके साथ है और हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए तत्पर है।उप मुख्यमंत्रीगण ने चिकित्सकों से कहा कि रोगी के स्वास्थ्य पर निरंतर निगरानी रखी जाए तथा उपचार की प्रत्येक प्रक्रिया को गंभीरता के साथ संपादित किया जाए, जिससे शीघ्र स्वास्थ्य लाभ सुनिश्चित हो सके।

बहन की पिटाई से हुई मृत्यु के मामले में बहनोई गिरफ्तार

लखनऊ। मदेयगंज क्षेत्र में महिला के साथ मारपीट के दौरान गंभीर चोट लगने से हुई मृत्यु के मामले में पुलिस ने आरोपी बहनोई को गिरफ्तार कर लिया है। इस घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध मामला दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार 29 अप्रैल 2026 को सोनू पुत्र छोटे लाल निवासी नया पुरवा, परचून की दुकान के पास, सीतापुर मार्ग केशवनगर पुलिस चौकी क्षेत्र, मदेयगंज द्वारा एक प्रार्थना पत्र दिया गया। प्रार्थना पत्र में बताया गया कि आरोपी ने उसकी बहन राधा, उम्र लगभग 27 वर्ष, के साथ मारपीट की, जिससे उसके सिर और मुंह पर गंभीर चोटें आईं। उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई।प्राप्त प्रार्थना पत्र के आधार पर मदेयगंज क्षेत्र में तत्काल मामला संख्या 0054/2026 धारा 105 भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत पंजीकृत किया गया। मामले की जांच उपनिरीक्षक प्रमोद कुमार तिवारी द्वारा की जा रही है।पुलिस के अनुसार 29 अप्रैल 2026 को पुलिस दल वादी सोनू को साथ लेकर आरोपी की तलाश में संभावित स्थानों पर दबिश दे रहा था। इसी दौरान आरोपी के बताए गए पते धोबी घाट बैरल संख्या-02 शिवनगर खदरा क्षेत्र में एक व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में खड़ा दिखाई दिया। वादी ने उसकी पहचान अपने बहनोई मोनू रावत के रूप में की। इसके बाद पुलिस ने तत्काल उसे मौके से पकड़ लिया।पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना नाम मोनू रावत पुत्र मुन्ना रावत, उम्र 32 वर्ष, निवासी धोबी घाट बैरल संख्या-02 शिवनगर खदरा, मदेयगंज बताया। पुलिस ने उसे उसके द्वारा किए गए अपराध से अवगत कराते हुए विधिक प्रावधानों के तहत गिरफ्तार कर लिया।पुलिस ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध दर्ज मामले में आगे की आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। साथ ही आरोपी के आपराधिक इतिहास की जानकारी अन्य थानों और इकाइयों से जुटाई जा रही है।इस कार्रवाई को अंजाम देने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक प्रमोद कुमार तिवारी, आरक्षी कुमार सानू तथा आरक्षी जयदेव शामिल रहे।

ब्लैकमेल कर युवती को आत्महत्या के लिए उकसाने वाला अभियुक्त गिरफ्तार

लखनऊ। थाना आशियाना पुलिस ने युवती को ब्लैकमेल कर आत्महत्या के लिए विवश करने के मामले में नामजद अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए अभियुक्त को हिरासत में लिया।पुलिस के अनुसार दिनांक 27 अप्रैल 2026 को वादी विकास, निवासी सदर बाजार नई बस्ती थाना कैन्ट लखनऊ द्वारा लिखित तहरीर देकर सूचना दी गई थी कि उनकी पुत्री को एक युवक द्वारा ब्लैकमेल किया जा रहा था, जिससे वह मानसिक रूप से प्रताड़ित होकर आत्महत्या करने के लिए विवश हो गई। इस सूचना के आधार पर थाना आशियाना में मुकदमा संख्या 114/2026 धारा 108 भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के अंतर्गत अभियुक्त सुहैब अख्तर के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत किया गया। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक शुभम मेहंदियान द्वारा की जा रही थी।घटना के अनावरण के लिए थाना आशियाना पुलिस टीम द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे थे। इसी क्रम में मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने दिनांक 28 अप्रैल 2026 को बीबीएयू विश्वविद्यालय के पास शहीद पथ किनारे से नामजद अभियुक्त शोएब अख्तर पुत्र जावेद अख्तर, निवासी मकान संख्या 34 जय राजपुरी हाइड्रिल कॉलोनी थाना सरोजनीनगर, जनपद लखनऊ, उम्र लगभग 23 वर्ष को समय करीब 7:20 बजे हिरासत में ले लिया।गिरफ्तार अभियुक्त को आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण करते हुए न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार मामले की विवेचना जारी है तथा आवश्यक साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

चेन व मोबाइल छिनैती करने वाला शातिर अभियुक्त गिरफ्तार, छीनी गई चेन का टुकड़ा बरामद

लखनऊ। थाना आशियाना पुलिस ने महिला के गले से चेन खींचकर भागने तथा युवती का मोबाइल छीनने की घटनाओं में शामिल एक शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे से छीनी गई चेन का एक टुकड़ा भी बरामद किया है।पुलिस के अनुसार दिनांक 03 मार्च 2026 को वादी सर्वोत्तम सिंह, निवासी इंद्रलोक कॉलोनी थाना कृष्णानगर, लखनऊ द्वारा थाना आशियाना में लिखित सूचना दी गई थी कि एक अज्ञात मोटरसाइकिल चालक उनकी माता के गले से चेन खींचकर फरार हो गया। इस सूचना के आधार पर थाना आशियाना में मुकदमा संख्या 59/2026 धारा 304(2) बीएनएस के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया।इसके अतिरिक्त दिनांक 02 अप्रैल 2026 को वादिनी प्रतिष्ठा शुक्ला, निवासी रजनीखंड शारदानगर, लखनऊ द्वारा सूचना दी गई कि दो मोटरसाइकिल सवार युवकों ने उनका मोबाइल छीन लिया। इस संबंध में थाना आशियाना पर मुकदमा संख्या 89/2026 धारा 304(2) बीएनएस के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया।

स्मार्ट मीटर की गुणवत्ता जांच के लिए उच्च स्तरीय तकनीकी समिति गठित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लगाए जा रहे स्मार्ट मीटरों की गुणवत्ता एवं संयोजकता से संबंधित प्राप्त शिकायतों के दृष्टिगत उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष डा० आशीष कुमार गोयल ने उच्च स्तरीय तकनीकी समिति का गठन किया है। यह समिति प्रदेश में स्थापित सभी प्रकार के स्मार्ट मीटरों का तकनीकी परीक्षण कर उनकी गुणवत्ता के संबंध में विस्तृत आख्या प्रस्तुत करेगी।कार्यालय ज्ञाप के अनुसार भारत सरकार द्वारा आरडीएसएस योजना के अंतर्गत की गई व्यवस्था तथा केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा निर्गत अधिसूचना के क्रम में उत्तर प्रदेश में सभी उपभोक्ताओं के परिसरों पर स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। अब तक प्रदेश में लगभग 85 लाख स्मार्ट मीटर स्थापित किए जा चुके हैं। प्रारंभिक स्तर पर यह बताया गया है कि स्मार्ट मीटर सही प्रकार से कार्य कर रहे हैं तथा तकनीकी दृष्टि से इनमें किसी प्रकार की समस्या नहीं पाई गई है। इसके लिए पूर्व से ही पांच प्रतिशत जांच मीटर लगाने की व्यवस्था भी लागू है।इसके बावजूद विभिन्न स्रोतों से स्मार्ट मीटर की गुणवत्ता तथा संयोजकता से संबंधित शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उच्च स्तरीय तकनीकी समिति का गठन किया गया है, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि उपभोक्ताओं को सही एवं विश्वसनीय सेवाएं उपलब्ध हों तथा किसी भी तकनीकी समस्या का समयबद्ध समाधान किया जा सके।गठित समिति में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर के प्रोफेसर अंकुश शर्मा तथा प्रोफेसर प्रबोध बाजपेयी को सदस्य नामित किया गया है। इसके अतिरिक्त विद्युत अनुसंधान एवं विकास संस्था, वडोदरा के अनुभाग प्रमुख तेजस मिस्त्री को भी समिति का सदस्य बनाया गया है।

गृहकर जमा करने पर 10 प्रतिशत छूट का आज अंतिम दिन, नगर निगम ने बढ़ाए भुगतान समय और की समय रहते कर जमा करने की अपील

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ ने गृहकर जमा करने वाले नागरिकों के लिए महत्वपूर्ण सूचना जारी करते हुए बताया है कि आनलाइन माध्यम से गृहकर जमा करने पर मिलने वाली 10 प्रतिशत छूट का लाभ प्राप्त करने के लिए 30 अप्रैल अंतिम दिन निर्धारित किया गया है। नगर निगम के अनुसार इसके बाद 1 मई से 31 मई तक गृहकर जमा करने पर मिलने वाली छूट की दर घटाकर 8 प्रतिशत कर दी जाएगी। ऐसे में गुरुवार का दिन करदाताओं के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि अधिकतम छूट का लाभ केवल इसी दिन तक उपलब्ध रहेगा।नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि प्रत्येक वर्ष बड़ी संख्या में नागरिक अंतिम तिथि के आसपास गृहकर जमा करते हैं, जिसके कारण काउंटरों और तंत्र पर दबाव बढ़ जाता है। इसी स्थिति को ध्यान में रखते हुए इस बार समय से पूर्व ही नागरिकों को

जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि वे अंतिम समय की भीड़ और संभावित असुविधा से बच सकें। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि समय पर गृहकर जमा करने से न केवल छूट का लाभ मिलता है, बल्कि नगर निगम को भी विकास कार्यों के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध हो पाते हैं।मुख्य कर निर्धारण अधिकारी अशोक सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रत्यक्ष माध्यम से गृहकर जमा करने पर मिलने वाली छूट में भी आगामी माह से कमी की जाएगी। वर्तमान समय में प्रत्यक्ष माध्यम से भुगतान करने वाले करदाताओं को 8 प्रतिशत की छूट प्रदान की जा रही है, लेकिन 1 मई से यह घटकर 6 प्रतिशत रह जाएगी। उन्होंने कहा कि नगर निगम नागरिकों को अधिक से अधिक आनलाइन माध्यम अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है, क्योंकि इससे समय की बचत होती है और नागरिकों को अतिरिक्त छूट का लाभ भी प्राप्त होता है।उन्होंने यह भी बताया कि आधुनिक माध्यमों के उपयोग से भुगतान प्रक्रिया अधिक सरल और पारदर्शी बनती है, जिससे नागरिकों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते। इसके साथ ही नगर निगम के कार्यों में भी तेजी आती है और अभिलेखों का रखरखाव सुचारु रूप से हो पाता है।नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए नगर निगम ने विशेष प्रबंध किए हैं। अशोक सिंह ने बताया कि शहर के सभी आठों जोनों में गृहकर जमा करने के काउंटरों का समय 30 अप्रैल को बढ़ा दिया गया है। अब करदाता प्रातः 10 बजे से रात्रि 8 बजे तक अपने निकटतम जोन कार्यालय में पहुंचकर गृहकर जमा कर सकते हैं। यह व्यवस्था विशेष रूप से उन नागरिकों के लिए लाभकारी होगी, जो कार्य के कारण दिन में समय नहीं निकाल पाते हैं।नगर निगम प्रशासन ने सभी जोन अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि काउंटरों पर पर्याप्त कर्मचारियों की तैनाती सुनिश्चित की जाए, ताकि भुगतान प्रक्रिया सुचारु रूप से चलती रहे और किसी भी नागरिक को अनावश्यक प्रतीक्षा न करनी पड़े।

सहारा शहर प्रकरण में नगर निगम को बड़ी राहत, उच्च न्यायालय ने याचिका खारिज की

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। लगभग 170 एकड़ क्षेत्र में फैले सहारा शहर प्रकरण में नगर निगम लखनऊ को बड़ी राहत मिली है। लंबे समय से चल रहे इस विवाद में इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ ने सहारा कमर्शियल की ओर से दायर रिट याचिका को खारिज कर दिया है। न्यायालय के इस निर्णय ने नगर निगम की कार्रवाई को वैध ठहराते हुए उसके पक्ष को मजबूत किया है और शहर प्रशासन की साख को और मजबूती प्रदान की है।गौरतलब है कि गोमतीनगर स्थित सहारा शहर को नगर निगम ने लीज की शर्तों के उल्लंघन के आरोप में अपने कब्जे में लिया था। नगर निगम का कहना था कि वर्ष 1994 में हुई लीज के तहत निर्धारित शर्तों का पालन नहीं किया गया, साथ ही कई निर्माण एवं उपयोग संबंधी नियमों का उल्लंघन पाया गया। विस्तृत जांच के बाद नगर निगम ने

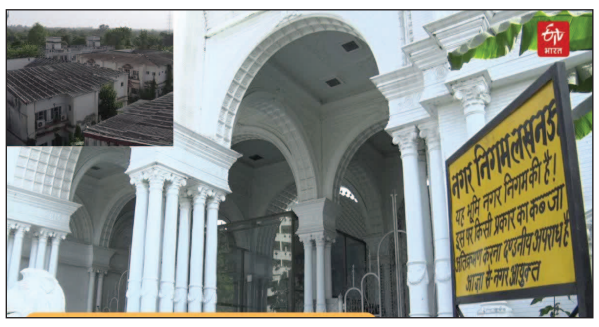

कार्रवाई करते हुए पूरे परिसर के छहों प्रवेश द्वार सील कर दिए और प्रशासनिक नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया था।इस कार्रवाई के विरोध में सहारा समूह ने न्यायालय का दरवाजा खटखटाते हुए इसे मनमाना तथा प्रक्रिया के विपरीत बताया था। हालांकि नगर निगम ने न्यायालय में स्पष्ट किया कि पूरी कार्रवाई नियमानुसार और विधिसम्मत तरीके से की गई है। निगम की ओर से यह भी बताया गया कि वर्ष 2020 और वर्ष 2025 में कई बार नोटिस जारी कर संबंधित कंपनी को सुधार का अवसर प्रदान किया गया था, लेकिन निर्धारित नियमों का पालन नहीं होने पर ही अंतिम कार्रवाई की गई।सुनवाई के दौरान न्यायालय ने दोनों पक्षों के तर्कों और प्रस्तुत दस्तावेजों पर विस्तार से विचार किया। परीक्षण के बाद यह पाया गया कि नगर निगम द्वारा की गई कार्रवाई विधिसम्मत प्रक्रिया के तहत की गई है। इसी आधार पर न्यायालय ने सहारा की याचिका को खारिज कर दिया। इस निर्णय को नगर निगम के लिए एक बड़ी कानूनी जीत माना जा रहा है, क्योंकि इससे यह स्पष्ट हो गया है कि सार्वजनिक भूमि और संसाधनों के संरक्षण के लिए की गई कार्रवाई न्यायिक कसौटी पर खरी उतरी है।इस पूरे प्रकरण में यह तथ्य भी सामने आया कि संबंधित भूमि पर लीज की अवधि समाप्त होने और शर्तों के उल्लंघन के कारण नगर निगम को हस्तक्षेप करना पड़ा। लगभग 30 वर्ष की लीज अवधि समाप्त होने के बाद भी निर्धारित विकास कार्य पूर्ण नहीं किए गए थे, जिससे प्रशासन को सख्त कदम उठाने पड़े।इस मामले में नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देशन में अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव, संपत्ति प्रभारी रामेश्वर प्रसाद, नायब तहसीलदार तेजस्वी तथा लेखपाल शक्ति वर्मा ने नगर निगम की ओर से सक्रिय भूमिका निभाई।

इनोवा कार दिलाने के नाम पर 5 .25 लाख की ठगी करने वाला वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। थाना बाजारखाला पुलिस ने इनोवा कार दिलाने के नाम पर फर्जी दस्तावेज तैयार कर 5.25 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने वाले लंबे समय से फरार चल रहे वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। अभियुक्त के विरुद्ध न्यायालय द्वारा गैर जमानती वारंट भी जारी किया गया था।पुलिस के अनुसार दिनांक 23 मई 2025 को वादी मोहित जयसवाल, निवासी मोतीझील कॉलोनी ऐशबाग बाजारखाला, लखनऊ द्वारा थाना बाजारखाला में लिखित तहरीर दी गई थी कि विपक्षीगण द्वारा इनोवा कार दिलाने के नाम पर आपराधिक षड़यंत्र करते हुए फर्जी और कूटरचित दस्तावेज तैयार कर उनका प्रयोग असली के रूप में किया गया तथा धोखाधड़ी कर उनसे 5 लाख 25 हजार रुपये हड़प लिए गए। इस संबंध में थाना बाजारखाला पर मुकदमा संख्या 82/2025 धारा 340(2), 338, 336(3), 318(2), 316(2), 61(1)(बी) बीएनएस के तहत मो. तारिक, मो. उमर व अन्य अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत किया गया था।मामले की विवेचना के दौरान साक्ष्य संकलन के आधार पर आरोपी मो. उमर पुत्र मो. रईस, निवासी किशोरगंज कैम्पल रोड थाना सआदतगंज, लखनऊ को दिनांक 09 अक्टूबर 2025 को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा चुका था। वहीं मुख्य अभियुक्त मो. तारिक पुत्र स्व. कासिम अली खां, निवासी 299/35 पुराना नक्खास थाना चौक, लखनऊ लगातार फरार चल रहा था। अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए न्यायालय द्वारा 16 जनवरी 2026 को गैर जमानती वारंट जारी किया गया था।

कांग्रेस, सपा, डीएमके, तुड़मूल कांग्रेस,का परिसीमन बिल में विरोध कितना तार्किक?

परिसीमन का प्रावधान भारतीय संविधान में इस लिए किया गया था कि देश सभी नागरिकों को उनका अपना प्रतिनिधित्व मिल सके। किसी एक सीट पर किसी एक जाति

का बर्चस्व न रहे इसलिए सीट की सीमा क्षेत्र की अहमियत से बदलती रहे । और समय समय पर आवादी के अनुपात में लोगों को प्रतिनिधित्व मिलता रहे। भारतीय संविधान यह भी कहता है कि इसको तय करने के लिए जनगणना को आधार बनाया जाए। पहली जनगणना 1951 में हुई और तभी जन प्रतिनिधित्व अधिनियम स्थापित हुआ उसके आधार पर पहले लोकसभा चुनाव 1952 में संपन्न हुआ। तत्कालीन समय में लोकसभा सीट संख्या 489 थी । उसके उपरांत 1971 की जनगणना के आधार लोकसभा सीट संख्या 520 करदी गई। जिनमें से 517के चुनाव होते हैं और तीन सदस्य मनोनीत होते हैं।1971 में देश की जनसंख्या 64 करोड़ थी लेकिन 2011 की जनगणना में 130 करोड़ हो गई। लेकिन लोकसभा की सीट संख्या 545 है।चुकी परिसीमन प्रस्तावित है तो सदन की संख्या भी बढ़नी चाहिए।। इसलिए मोदी सरकार 850 संख्या करने के लिए 131संविधान संशोधन बिल सदन में लेकर आई लेकिन दो तिहाई बहुमत न जुटा सकी और बिल गिर गया।

लोकसभा जो परिसीमन बिल आया उसमें कहा गया था लोकसभा की संख्या 850 होगी और इसमें से 35 सदस्य राज्यों से और 35 सदस्य केंद्रीय राज्यों जैसे दिल्ली, जम्मू कश्मीर,पांडिचेरी, दमन,द्वीप, नगर हवेली, अंडमान निकोबार, चंडीगढ़,से आएगी। उत्तर प्रदेश में 120 सर्वाधिक संख्या होगी प्रत्येक राज्य में पचास फीसदी सीट बढ़ेगी।इसी प्रकार राज्य विधानसभा क्षेत्र में भी पचास फीसदी सीट बढ़ेगी।इन सीटों में से 33 प प्रतिशत क्षेत्र महिलाओं को आरक्षित होंगी। महिलाओं को आरक्षित सीट में से अनुसूचित जाति,जनजाति का आरक्षण होगा। तथा लोकसभा क्षेत्र नए परिसीमित होगे।। अधिकतम जनसंख्या एक लोकसभा क्षेत्र बीस लाख होगी और न्यूनतम दो लाख ।

क्योंकि अंडमान निकोबार और नई दिल्ली सीट बहुत छोटी है। लेकिन कांग्रेस, सपा, डीएमके, तुड़मूल कांग्रेस किसी कीमत पर सम्बिधान संशोधन बिल पारित नहीं होने दे सकते थे क्योंकि मोदी सरकार के पास बहुमत है पर दो तिहाई नहीं है जो सम्बोधन संशोधन के लिए आवश्यक है। देश में 2024 में लोकसभा चुनाव हुए थे अभी चुनावों को दो वर्ष भी नहीं हुए हैं।अगला चुनाव 2029 में है ।तब तक कुछ नहीं होना ।सपा के नेता अखिलेश यादव ने सदन में कह दिया कि महिला को प्रधानमंत्री बना दे भाजपा तो भी हम ये बिल पारित नहीं करेंगे।

दरअसल विपक्ष सरकार का रायता फैलाना चाहता है वह कह रहा है कि जब जनगणना जारी है तो उसकी फाईडिंग आ जाने दो उसमें ओबीसी जातियां का भी समावेश होगा तो विपक्ष सरकार से लोकसभा, विधानसभा सीटों में से ओबीसी जातियां के आरक्षण की मांग रखेगा । बताया जाता है 53 फीसदी ओबीसी जातियां है।यानि पूरी लोकसभा आरक्षित हो सकती है क्योंकि 33 फीसदी महिलाएं,53 फीसदी ओबीसी, और 30 फीसदी अनुसूचित जाति, जनजाति, अंत में सर्वोच्च न्यायालय फैसला करेगा कि 50 फीसदी से अधिक सीट आरक्षित नहीं होंगी फिर विपक्ष आंदोलित हो सकता है। विपक्ष अब आर पार के मूड में है क्योंकि 15 वर्ष लगातार कोई प्रधानमंत्री नहीं रहा है। पंडित जवाहरलाल नेहरू भी 1947 से 1952 तक बिना चुनाव के प्रधानमंत्री रहे थे और 1952 से 57 ,,57 से 62 और 62 से 64 तक 17 वर्ष प्रधानमंत्री रहे । लेकिन मोदी सरकार 2014 से 29 तक 15 लगातार प्रधानमंत्री रहेंगे और यही स्थिति रही तो 2034 तक भी रह सकते हैं। विपक्ष को सोचना यह है कि अगर भारतीय जनता पार्टी सभी राज्यों सत्ता में बैठी जिसमें अभी बंगाल, तमिलनाडु शेष है। अगर बंगाल में जीत गई तो विपक्ष को राजनीतिक पराभव देखना पड़ेगा।

बताया जाता है कि अब कांग्रेस, सपा,आप,बीजेडी, सीपीएम सीपीई, आरएसपी, आदि सभी पार्टियों को संसाधनों से भी झूझना पड़ रहा दूसरी भारतीय जनता पार्टी जैसी पार्टी है जिसके पास संसाधनों का कोई टोटा नहीं है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 42 संगठन तो पंजीकृत हैं।

किसानों, युवाओं, नौकरियों और विकास के लिए महिलाओं के नेतृत्व में एक ऐतिहासिक समझौता

एफटीए की संरचना कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए सावधानीपूर्वक तैयार की गयी है। न्यूज़ीलैंड कीवी, सेब और शहद के लिए कृषि उत्पादकता कार्ययोजनाओं का समर्थन करेगा।

पीयूष गोयल

भारत-न्यूज़ीलैंड मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए), जिस पर सोमवार को हस्ताक्षर किये जायेंगे, विकसित दुनिया के साथ भारत की सहभागिता में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह वैश्विक आर्थिक साझेदारियों को किसानों, महिलाओं, युवाओं और रोजगार सृजक उद्योगों के लिए ठोस लाभ में बदलने से जुड़े प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण में हुई निर्णायक प्रगति को प्रतिबिंबित करता है।

यह एफटीए प्रमुख विकसित अर्थव्यवस्थाओं, जिसमें यूनाइटेड किंगडम और यूरोपीय संघ शामिल हैं, के साथ हुए कई ऐतिहासिक व्यापार समझौतों के बाद हो रहा है। ये समझौते वैश्विक बाजारों में भारत की स्थिति को मजबूत करते हैं और निर्यातकों को दुनिया की कुछ सबसे लाभकारी अर्थव्यवस्थाओं में, यहां तक कि वर्तमान वैश्विक अनिश्चितता और उथल-पुथल के बीच भी, प्रतिस्पर्धा आधारित बढ़त प्रदान करते हैं। दोनों पक्षों के लिए समान रूप से लाभकारी इस समझौते के केंद्र में न्यूजीलैंड की यह प्रतिबद्धता है कि वह तुरंत ही सभी भारतीय उत्पादों पर शुल्क समाप्त कर देगा, जिससे उस बाजार में एक महत्वपूर्ण बाधा दूर होगी, जहाँ हमारे प्रमुख निर्यात पर वर्तमान में 10त्न शुल्क लगाया जाता है।

यह वस्त्र, कालीन, धागे, कपड़े, फुटवियर, बैग, बेल्ट, वाहन घटक, मशीनरी, उपकरण, रत्न और आभूषण तथा हस्तशिल्प जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन है। रोजगार के अवसरों का सृजन करने वाले ये उद्योग भारत के एमएसएमई इकोसिस्टम की रीढ़ हैं और इन्हें मूल्य प्रतिस्पर्धा और बाजार पहुँच से लाभ मिलेगा। इससे निर्यात बढ़ेगा और निर्माण केन्द्रों, कारीगर समुदायों और लघु उद्यमों में बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा। यह समझौता उस व्यापक दर्शन को प्रतिबिंबित करता है, जो 2014 में मोदी सरकार के गठन के बाद से भारत की व्यापार नीति का मार्गदर्शन कर रहा है। यह समावेश, सशक्तिकरण और साझा समृद्धि में निहित है। व्यापार को राष्ट्रीय परिवर्तन के उपकरण के रूप में देखा जाता है, जो किसानों, श्रमिकों, महिलाओं, युवाओं और वंचित समुदायों को लाभ पहुंचाता है।

इस समझौते की एक प्रमुख विशेषता यह है कि यह भारत का पहला महिला-नेतृत्व वाला एफटीए है। वार्ता टीम की लगभग सभी सदस्य महिलायें थीं। इनमें मुख्य वार्ताकार, उप मुख्य वार्ताकार, क्षेत्र प्रमुख और न्यूजीलैंड में भारत की राजदूत शामिल हैं। यह उपलब्धि मोदी सरकार में महिलाओं के बढ़ते महत्व को दर्शाती है। यह शासन, नेतृत्व और विभिन्न क्षेत्रों में निर्णय लेने में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के व्यापक प्रयासों के अनुरूप है और राष्ट्रीय विकास के संचालक के रूप में नारी शक्ति के विचार को सुदृढ़ करती है।

एफटीए की संरचना कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए सावधानीपूर्वक तैयार की गयी है। न्यूज़ीलैंड कीवी, सेब और शहद के लिए कृषि उत्पादकता कार्ययोजनाओं का समर्थन करेगा। इन पहलों में बेहतर बीज सामग्री, अनुसंधान सहयोग, किसानों के लिए क्षमता निर्माण, बागवानी प्रबंधन प्रथाएं, कटाई के बाद सुधार, खाद्य सुरक्षा प्रणाली और उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना शामिल है। सेब उत्पादकों और सतत मधुमक्खी पालन तौर-तरीकों के लिए परियोजनाएं उत्पादन और गुणवत्ता मानकों को बढ़ाएंगी, जिससे कृषि समृद्धि में वृद्धि होगी।

इसके साथ ही, भारत ने अपने प्रमुख कृषि हितों की मजबूती से सुरक्षा की है। डेयरी उत्पादों (जैसे दूध, क्रीम, व्हे, दही और पनीर); प्याज, चना, मटर, मकई, बादाम, चीनी और कुछ ख़ास तेल और वसा जैसी संवेदनशील वस्तुओं को शुल्क छूट से बाहर रखा गया है। समझौता सुनिश्चित करता है कि घरेलू किसान हानिकारक आयात प्रतिस्पर्धा से सुरक्षित रहें। किसानों और मछुआरों के हितों की रक्षा करना सभी व्यापार वार्ताओं में भारत के दृष्टिकोण का केंद्र रहा है।

समझौते का एक प्रमुख स्तंभ छात्रों और कुशल पेशेवरों के लिए बढ़ी हुई आवागमन की सुविधा है, जो भारत के युवाओं के लिए नए वैश्विक मार्ग का निर्माण करती है। किसी भी द्विपक्षीय व्यापार समझौते में पहली बार, न्यूजीलैंड ने भारतीय छात्रों के आवागमन और अध्ययन के बाद काम करने के अवसरों के लिए एक संरचना-युक्त रूपरेखा पेश की है। भारतीय छात्रों पर कोई संख्यात्मक सीमा नहीं है। छात्रों को अध्ययन के दौरान प्रति सप्ताह कम से कम 20 घंटे काम करने की अनुमति दी जाएगी, जबकि अध्ययन के बाद काम करने के अधिकार - एसटीईएम स्नातकों के लिए तीन वर्षों तक और डॉक्टर डिग्री के शोधार्थियों के लिए चार वर्षों तक - बढ़ाए गये हैं। समझौता किसी भी समय 5,000 भारतीय पेशेवरों तक के लिए अस्थायी रोजगार प्रवेश वीज़ा मार्ग पेश करता है, जिसके तहत आईटी, इंजीनियरिंग, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, निर्माण तथा योग, आयुर्वेद, भारतीय व्यंजन और संगीत शिक्षा जैसे चयनित पारंपरिक क्षेत्रों में तीन वर्षों तक रहने की अनुमति होगी।

इसके अलावा, एक वर्किंग हॉलीडे वीज़ा योजना प्रत्येक वर्ष 1,000 युवा भारतीयों को न्यूज़ीलैंड में 12 महीने तक रहने और काम करने की अनुमति देगी, जिससे सांस्कृतिक आदान-प्रदान और वैश्विक अनुभव को मजबूती मिलेगी। न्यूज़ीलैंड ने भारत में 20 अरब डॉलर के निवेश के लिए प्रतिबद्धता जताई है। इससे विनिर्माण, अवसंरचना, नवीकरणीय ऊर्जा, डिजिटल सेवाओं, नवाचार इकोसिस्टम और रोजगार सृजन को समर्थन मिलने की उम्मीद है। जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए एक 'पुनर्संतुलन खंड शामिल किया गया है, जिससे भारत को यह अधिकार मिलता है कि यदि निवेश संबंधी प्रतिबद्धताएं पूरी नहीं होतीं हैं, तो वह सुधारात्मक कदम उठा सकता है। यह समझौता अनुसंधान, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, कौशल विकास और नवाचार-आधारित क्षेत्रों में सहयोग को भी बढ़ावा देता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि दीर्घकालिक विकासात्मक साझेदारियों में व्यापार पूरक भूमिका निभाएगा। भारत-न्यूज़ीलैंड एफटीए विकसित अर्थव्यवस्थाओं के साथ साझेदारी करने की स्पष्ट और भरोसेमंद व्यापार रणनीति को प्रतिबिंबित करता है, जो भारत के श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए सार्थक बाजार पहुँच की सुविधा देता है और घरेलू संवेदनशीलताओं का सम्मान करता है।

आज भारत ताकत और विश्वसनीयता की स्थिति के साथ वार्ता करता है। पहले के दशकों में व्यापार समझौतों को अक्सर संवेदनशील क्षेत्रों को अपर्याप्त सुरक्षा दिए बिना अंतिम रूप दिया जाता था, इसके विपरीत वर्तमान वार्ताएं सुनिश्चित करती हैं कि कृषि, डेयरी और अन्य संवेदनशील क्षेत्र पूरी तरह से सुरक्षित रहें। जैसे-जैसे भारत विकसित अर्थव्यवस्थाओं के साथ अपनी सहभागिता को प्रगाढ़ कर रहा है, विकसित दुनिया के साथ हुए व्यापार समझौते इस तथ्य का सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करते हैं कि व्यापार नीति को कैसे राष्ट्रीय विकास लक्ष्यों के साथ संरेखित किया जा सकता है, जिससे विकसित भारत 2047 का लक्ष्य हासिल करने की दिशा में समावेशी वृद्धि और दीर्घावधि आर्थिक सुदृढ़ता सुनिश्चित होती है।

टिप्पणी

धनी लोग और धनी

बुनियादी विकास में निवेश घटने का दुष्प्रभाव गरीब तबकों पर पड़ता है। उधर सरकार जो ऋण लेती है, उस पर दिया जाने वाला ब्याज अंततः धनी लोगों की जेब में ही पहुंचता है। इससे वे और धनी होते हैं।

साल 2024-25 में भारत सरकार पर देशी ऋण 8.35 और विदेशी कर्ज 9.83 फीसदी बढ़ा। उधर पिछले वित्त वर्ष की तुलना में उसके पूंजीगत खर्च में 0.08 प्रतिशत की गिरावट आई। ये आंकड़ें सीएजी की ताजा रिपोर्ट से सामने आए हैं। स्पष्टतः ऋण बढ़ने का एक प्रमुख कारण पिछले कर्ज (और उस पर ब्याज) को चुकाने के लिए लिया गया नया कर्ज है। कर्ज के बढ़ते बोझ का खामियाजा पूंजीगत व्यय (यानी ठोस विकास कार्यों) को चुकाना पड़ रहा है। यह चिंताजनक रुझान है। ऋण से पूंजी निर्माण या सामाजिक विकास हो रहा हो, तो उस कर्ज की सकारात्मक भूमिका समझी जाती है।

लेकिन ऋण की रकम रोजमर्रा के उपभोग या पिछले ऋण को चुकाने में खर्च हो रही हो, अथवा कर्ज लेकर हुए निवेश के लाभ चंद हाथों में सिमट रहे हों, तो समझा जाएगा कि देश दुर्दशा की तरफ जा रहा है। सेंटर फॉर फाइनेंशियल अकांटिबिलिटी नाम के गैर-सरकारी संगठन की ताजा रिपोर्ट- 'वेल्थ ट्रैकर इंडियाः 2026' इस बारे में एक महत्त्वपूर्ण जानकारी देती है। इसके मुताबिक 2029 से 2025 की अवधि में भारत के पांच सबसे अधिक समृद्ध परिवारों के धन में 400 प्रतिशत की वृद्धि हुई। जबकि निचली 50 फीसदी आबादी का धन जहां का तहां रहा।

इतनी बड़ी जनसंख्या के पास देश का महज 6.4 प्रतिशत धन है। गौरतलब है कि पूंजीगत व्यय में गिरावट की सबसे ज्यादा मार इन तबकों पर ही पड़ती है। मानव एवं भौतिक विकास में निवेश घटने का अर्थ है इन तबकों की प्रगति की आस का कमजोर पड़ना। उधर चूंकि सरकार ऋण धनी लोगों के स्वामित्व वाले संस्थानों से ही लेती है, तो उस पर दिया जाने वाला ब्याज उन लोगों की जेब में पहुंचता है। यानी उनका धन और बढ़ता है। वेल्थ ट्रैकर रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि देश के 1,688 अति धनी व्यक्तियों (1000 करोड़ रुपये से अधिक संपत्ति वाले) पर वेल्थ टैक्स लगा कर सरकार 10 लाख करोड़ रुपये सालाना जुटा सकती है। इससे आम जन के विकास के लिए जरूरी धन का इंतजाम हो सकेगा। मगर ऐसा तब होगा, जब सर्वांगीण विकास सचमुच सरकार की प्राथमिकता होगी!

ब्लॉग

आखिर दुनिया का "थानेदार" ट्रंप और उनका अमेरिका खुद इतना असुरक्षित क्यों है?

कमलेश पांडे

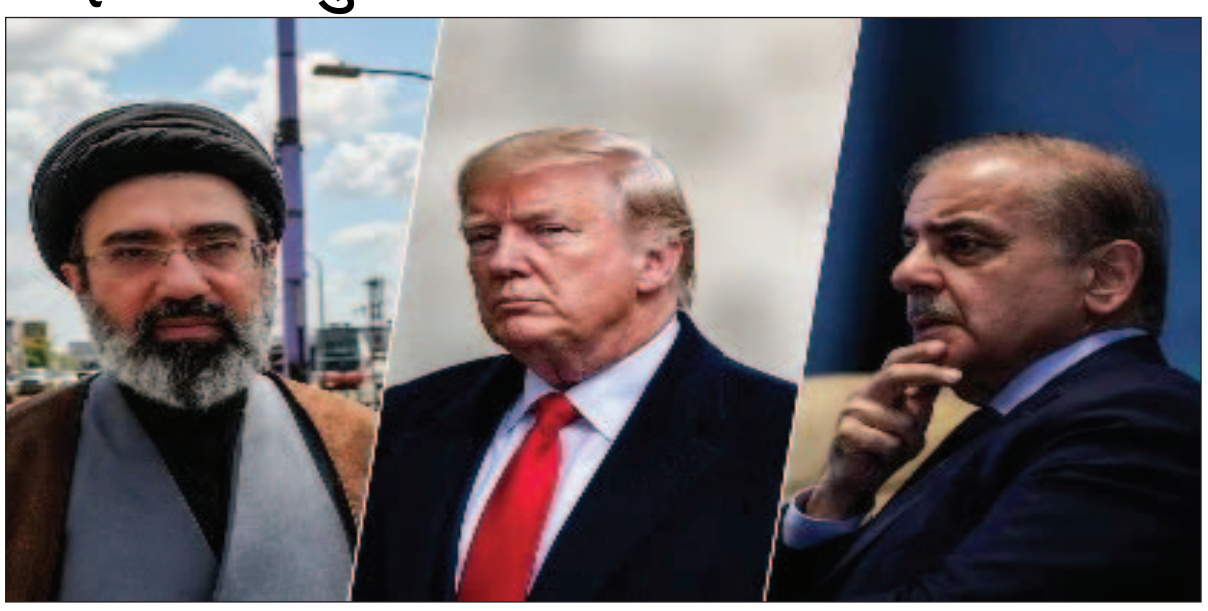

आखिर दुनिया का "थानेदार" कहे जाने वाला अमेरिका खुद असुरक्षित क्यों दिखता है? असल में यह एक मिथक और हकीकत का मिश्रण है। अमेरिका के नेता, जैसे डोनाल्ड ट्रम्प के "असुरक्षित" दिखने के पीछे कई परतें होती हैं, क्योंकि उनकी मौजूदगी वाले स्थल पर यह तीसरा बड़ा हमला है। इसलिए यह सिर्फ व्यक्तिगत नहीं, बल्कि राजनीतिक, संस्थागत और वैश्विक कारणों का मिश्रण है।

पहला, वैश्विक नेतृत्व का दबावः अमेरिका लंबे समय से खुद को विश्व नेतृत्व की भूमिका में रखता है। जब कोई देश या नेता इतनी बड़ी जिम्मेदारी उठाता है, तो हर निर्णय पर आलोचना और चुनौती स्वाभाविक होती है-चाहे वह शीत युद्ध के बाद की वैश्विक व्यवस्था हो या आज की बहुध्रुवीय दुनिया, अमेरिका ने हर चुनौतियों से सीखा और बेहतर समाधान देने की कोशिश की।

दूसरा, घरेलू राजनीति की तीखी प्रतिस्पर्धाः डॉनल्ड ट्रंप की राजनीति बहुत ध्रुवीकृत रही है। अमेरिका के अंदर ही डेमोक्रेट और रिपब्लिकन के बीच तीखी टकराहट, मीडिया की आलोचना, और चुनावी दबाव—ये सब किसी भी नेता को "रक्षात्मक" या असुरक्षित दिखा सकते हैं।

तीसरा, कानूनी और व्यक्तिगत विवादः ट्रंप कई कानूनी मामलों, जांचों और विवादों से घिरे रहे हैं। ऐसी स्थिति में कोई भी नेता अपनी छवि और राजनीतिक भविष्य को लेकर सतर्क—कभी-कभी असुरक्षित—दिख सकता है।

चौथा, बदलती वैश्विक शक्ति-संतुलनः अब दुनिया एकध्रुवीय नहीं रही। चीन, रूस जैसे देश चुनौती दे रहे हैं। इससे अमेरिका की "थानेदार" वाली स्थिति पहले जैसी निर्विवाद नहीं रही, और यह असुरक्षा की भावना पैदा कर सकता है।

पांचवां, पॉपुलिस्ट (जनप्रिय) राजनीति की शैलीः ट्रंप की राजनीति में "हम बनाम वे" का नैरेटिव मजबूत रहा है। इस शैली में नेता अक्सर खतरे को बड़ा दिखाते हैं—चाहे वह बाहरी हो या आंतरिक—ताकि समर्थकों को एकजुट रखा जा सके। इससे भी "असुरक्षा" का आभास होता है।

छठा, "असुरक्षा" का एहसास बनाम असली आंकड़े; अमेरिका में लंबे समय में अपराध दर घटी है, खासकर 1990 के बाद से, लेकिन फिर भी लगभग 46% लोग खुद को असुरक्षित महसूस करते हैं। यानी समस्या सिर्फ अपराध नहीं, बल्कि डर का माहौल भी है कारण स्पष्ट है कि मीडिया, सोशल मीडिया, और मास शूटिंग जैसी घटनाएं लोगों के दिमाग में डर बढ़ाती हैं।

सातवां, आर्थिक असमानताः अमेरिका दुनिया का सबसे अमीर देशों में है, लेकिन अमीर-गरीब का अंतर बहुत बड़ा है बेरोजगारी, घर विहीनता, opioid crisis जैसी समस्याएं अपराध को बढ़ाती हैं। जहां असमानता ज्यादा होती है, वहां अपराध और असुरक्षा भी ज्यादा होती है।

आठवां, हथियार संस्कृतिः अमेरिका में आम नागरिक के पास बड़ी संख्या में हथियार हैं। इससे छोटी घटनाएं भी घातक बन सकती हैं, जैसे शूटिंग इंसीडेंट्स। यही कारण है कि हिंसात्मक अपराध का डर ज्यादा रहता है।

नौवां, अपराध का "केंद्रित" होनाः पूरे अमेरिका में समान खतरा नहीं है, बल्कि अपराध कुछ खास शहरों या इलाकों में ज्यादा केंद्रित होता है। इसलिएः कुछ जगह बहुत सुरक्षित है पर कुछ जगह बहुत खतरनाक।

दसवां,, मीडिया और राजनीति का प्रभावः लगातार चौबीस घण्टे सातों दिन न्यूज और सोशल मीडिया "खतरे" को अम्प्लीफाय (amplify) करते हैं। लोग वास्तविकता से ज्यादा डर महसूस करते हैं। "भय अर्थव्यवस्था" भी एक फैक्टर है।

ग्यारहवां, पुलिस और सिस्टम की सीमाएँः अमेरिका पुलिस और जेल पर बहुत खर्च करता है, फिर भी मूल कारणों, जैसे- गरीबी, मानसिक स्वास्थ्य, नशा आदि पर कम ध्यान दिया जाता है। इसलिए सुरक्षा का ढांचा "प्रतिक्रियावादी" है, "सुरक्षात्मक/संरक्षात्मक" कम।

बारहवां, सामाजिक व्यवहार और जीवनशैलीः सड़क हादसे, नशा, मानसिक तनाव—ये भी असुरक्षा के बड़े कारण हैं कई मामलों में व्यवहार भी जिम्मेदार है।

निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि अमेरिका "कमजोर" नहीं है, लेकिनःआर्थिक असमानता, हथियार संस्कृति, सामाजिक तनाव और मीडिया द्वारा बढ़ा डर आदि के कारण एक शक्तिशाली देश भी अंदर से असुरक्षित महसूस करता है।

उल्लेखनीय है कि ट्रंप की हालिया सुरक्षा चूक व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स डिनर (25 अप्रैल 2026) के दौरान हुई, जब एक संदिग्ध ने होटल में घुसकर गोली चलाई। अमेरिकी अधिकारी अभी जांच कर रहे हैं, लेकिन कोई निश्चित समय सारिणी घोषित नहीं की गई है। 25 अप्रैल 2026 को वॉशिंगटन के हिल्टन होटल में डिनर के दौरान एक संदिग्ध (कोल एलन) ने शॉटगन, पिस्तौल और चाकू लहराते हुए सिक्योरिटी चेकपॉइंट तोड़ा और गोली चलाई। सीक्रेट सर्विस ने ट्रंप, मेलानिया ट्रंप, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस समेत नेताओं को सुरक्षित निकाला; एक एजेंट को गोली लगी लेकिन बुलेटप्रूफ वेस्ट से बच गया।

बहरहाल, जांच की स्थिति यह है कि FBI की एंटी-टेरर यूनिट जांच लीड कर रही है, जिसमें हथियार, गवाह बयान और संदिग्ध के मैनिफेस्टो की पड़ताल शामिल है। एक्टिंग अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लैंच ने कहा कि संदिग्ध ट्रंप व उनकी टीम को टारगेट बना रहा था, लेकिन वो सहयोग नहीं कर रहा। ट्रंप ने इसे सिक्योरिटी सक्सेस बताया, पर सुरक्षा प्रोटोकॉल पर सवाल उठे हैं।

आखिर जवाब कब? तो अधिकारियों ने लाइव अपडेट दिए हैं, लेकिन सुरक्षा चूक के सवालों (जैसे चेकपॉइंट कैसे टूटा) पर कोई अंतिम रिपोर्ट या सुनवाई की तारीख की घोषणा नहीं हुई। जांच जारी है, अतिरिक्त विवरण आने पर बयान संभव। इससे पहले ट्रंप पर 13 जुलाई 2024 के हमले (पेंसिल्वेनिया रैली) की जांच में जुलाई 2025 में जारी अमेरिकी सीनेट रिपोर्ट ने सीक्रेट सर्विस की गंभीर चूक उजागर की। यह 2026 की हालिया घटना से जुड़ी नहीं, बल्कि पुरानी घटना पर आधारित है।

मुख्य निष्कर्ष यह है कि विश्वसनीय खुफिया सूचना के बावजूद सीक्रेट सर्विस ने कोई उचित कार्रवाई नहीं की; खतरे को नजरअंदाज किया। वहीं, स्थानीय पुलिस के साथ समन्वय की कमी, खासकर पास की छत को सुरक्षित न करना। संचार, तकनीकी और मानवीय चूकें; कोई बड़ा अधिकारी बर्खास्त नहीं, सिर्फ 6 पर हल्की कार्रवाई।

इसलिए सिफारिशें की गईं कि जिम्मेदारों को दंडित करने, सुरक्षा सुधार और तालमेल मजबूत करने की मांग की। चेयरमैन रैंड पॉल ने इसे 'पूरी विफलता' बताया। सीक्रेट सर्विस ने स्वीकार किया और सुधार शुरू किए। सीक्रेट सर्विस ने 2024 ट्रंप हमले (पेंसिल्वेनिया रैली) की चूक के बाद कई सुधारात्मक कदम उठाए, जिनमें एजेंटों पर कार्रवाई और प्रक्रियागत बदलाव शामिल हैं। ये कदम सीनेट रिपोर्ट (2025) के बाद तेज हुए।

वहीं, एजेंटों पर कार्रवाई हुई। 6 एजेंटों को सस्पेंड किया, 10-42 दिनों की सैलरी कटौती और गैर-ऑपरेशनल पदों पर स्थानांतरित। पूर्व डायरेक्टर किम्बर्ली चीटल ने इस्तीफा दिया। वहीं, प्रक्रियागत सुधार किए गए। स्थानीय पुलिस/एजेंसियों के साथ समन्वय, संचार और सुरक्षा मैनुअल को संशोधित। हवाई निगरानी के लिए अलग डिवीजन, खतरे मूल्यांकन में स्पष्ट जिम्मेदारियां। कांग्रेस ने राष्ट्रपति उम्मीदवारों के लिए सुरक्षा बढ़ाने वाला विधेयक पारित किया।

पांच साल से पति से अलग थी चांदनी, सामने आई विवाद की ये दो वजह; दो बेटियों संग जान देने वाली महिला की कहानी

प्रारंभिक जांच में सामने आ रहा है कि चांदनी ने दोनों बेटियों को जहर देकर आत्महत्या की है। परिजन से कारणों का पता लगाया जा रहा है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

- सत्यजीत गुप्ता, डीसीपी पूर्वी

एंबुलेंस सेवा 108 का कंट्रोल रूम लखनऊ में है। इसमें निजी कर्मी काम करते हैं। महाराजपुर में एंबुलेंस के पहुंचने में देरी क्यों हो रही है। इसके बारे मे संबंधितों से जानकारी लेकर मुख्यालय भेजी जाएगी।

-डॉ.हरिदत्त नेमी, सीएमओ

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। यूपी के कानपुर जिले के महाराजपुर थाना इलाके के नजफगढ़ में महिला चांदनी (35) ने मंगलवार सुबह दो बेटियों पायल (8) और ब्यूटी (5) को जहर खिलाने के बाद खुद भी खा लिया। इससे तीनों की मौत हो गई। वह पति राकेश से अलग होने के बाद पांच साल से मायके में रह रही थीं। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

नजफगढ़ निवासी चांदनी का विवाह 2012 में मैनपुरी करहल क्षेत्र के राकेश उर्फ नेता के साथ हुआ था। परिजन का कहना है कि पति के शराब पीने की लत के कारण उनमें विवाद होता था। करीब पांच साल पहले दोनों में अलगाव हो गया। इसके बाद चांदनी बेटियों के साथ मायके में रह रही थी। चांदनी के पिता रामलाल पासवान गुजरात में प्राइवेट नौकरी करते हैं। मंगलवार सुबह लगभग साढ़े आठ बजे चांदनी की मां शांति देवी भूसा लेने खेत गई थीं। घर में दोनों बेटियों के साथ चांदनी थी।

करीब नौ बजे चांदनी बाहर बैठकर उल्टियां कर रही थीं जबकि पायल और ब्यूटी उसकी गोद में बेसुध हालत में थीं। तीनों की हालत देखकर रिश्ते के भाई ने कारण पूछा तो चांदनी ने जहर खाने की बात बताई। उसने शोर मचाकर ग्रामीणों को एकत्रित किया। एंबुलेंस सेवा 108 पर सूचना दी लेकिन दो घंटे तक एंबुलेंस नहीं आई। तीनों को निजी कार से सरसौल सीएचसी ले गए। यहां तीनों की गंभीर हालत देख डॉक्टरों ने हैलट अस्पताल भिजवाया। हैलट में डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया।

परिजन शव गांव ले आए थे। अस्पताल की सूचना पर महाराजपुर पुलिस मौके पर पहुंची। घरवाले पोस्टमार्टम के लिए तैयार नहीं हुए। समझाने के बाद शवों को पोस्टमार्टम भेजा गया। पुलिस ने घर की जांच की। मौके से किसी तरह का कोई जहरीला पदार्थ नहीं मिला। चूल्हे के पास कटी हुई लौकी थी। एडीसीपी पूर्वी शिवा सिंह, महाराजपुर इंस्पेक्टर राजेश कुमार ने पूछताछ की।

एंबुलेंस नहीं आई, मौत ने तीन को दबोचा

इसे स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही कहें या फिर बदइंतजामी। ग्रामीण क्षेत्र में 10 मिनट में पहुंचने का दंभ भरने वाली सरकारी एंबुलेंस का दावा महाराजपुर में एक बार फिर झूठा साबित हुआ। नजफगढ़ गांव में जहरीला पदार्थ खाने से अचेत हुईं चांदनी और उसकी बेटी पायल और ब्यूटी को अस्पताल पहुंचाने के लिए ग्रामीणों के बार-बार फोन करने पर भी एंबुलेंस नहीं पहुंची। उन्हें निजी वाहन से स्वास्थ्य केंद्र से हैलट तक पहुंचाने में करीब ढाई घंटे का समय बर्बाद हो गया। तब तक तीनों की सांसे थम गईं।

चांदनी के भाइयों का आरोप था कि अगर समय से अस्पताल पहुंच जाते तो शायद तीनों जिंदा होते। इससे पहले भी 23 अप्रैल को छतमरा चौराहे पर गश खाकर गिरे मजदूर को 45 मिनट तक एंबुलेंस नहीं मिली थी। इससे उसकी जान चली गई थी। नजफगढ़ निवासी चांदनी और उसकी बेटियों पायल और ब्यूटी की मौत हो गई। पड़ोस में रहने वाले भाई धर्मेंद्र, जितेंद्र और प्रताप का कहना था कि उन लोगों को करीब 7.30 बजे जानकारी हुई तो एंबुलेंस बुलाने के लिए 108 डायल किया।

आरोप है कि शुरू में फोन उठने पर लोकेशन आदि पूछा गया। लेकिन गाड़ी नहीं आई। इसके बाद बहन की हालत बिगड़ने पर कई बार फोन किया गया। लेकिन एक घंटे बाद तक गाड़ी नहीं आ सकी। इस पर उन लोगों ने गांव के एक युवक की कार से आठ किमी दूर सरसौल स्थित सीएचसी पहुंचाया। वहां डॉक्टर ने नाजुक हालत देखते हुए हैलट रेफर कर दिया। भाइयों का आरोप है कि बहन और भांजियों को जल्दी अस्पताल पहुंचाने के लिए डॉक्टर से मिनन्त की। आरोप है कि इस पर डॉक्टर ने सीएचसी में खड़ी एंबुलेंस के चालक को फोन किया लेकिन कोई नही आया।

इस तरह वह लोग निजी वाहन से करीब 9.45 बजे तीनों को हैलट लेकर पहुंचे वहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। भाइयों का आरोप है कि हैलट में डॉक्टरों का कहना था कि वह लोग समय से अगर अस्पताल पहुंच जाते तो जान बचाई जा सकती थी। आरोप है कि घर से लेकर हैलट तक के बीच पहुंचने में करीब इलाज मिलने में ढाई घंटे का समय लग गया। अगर एंबुलेंस समय से आ जाती तो तीनों की जान बचाई जा सकती थी। तीनों भाइयों ने एंबुलेंस के न आने का आरोप मॉर्चुरी पहुंचे डीसीपी पूर्वी सत्यजीत गुप्ता से भी लगाया।

इस पर उन्होंने थाना प्रभारी महाराजपुर से जांच के निर्देश दिए। इसी तरह महाराजपुर में लू के थपेड़ों के चलते बाइक से गश खाकर गिरे नरवल के मंधना निवासी मजदूर सुनील को 45 मिनट तक एंबुलेंस के न पहुंचने पर उसकी मौत हो गई थी।

चौकी इंचार्ज ने अपनी कार से पोस्टमॉर्टम भेजे शव

परिवार की आर्थिक स्थिति सही न होने की वजह से पोस्टमॉर्टम भेजे जाने वाले वाहन का परिजन इंतजाम न कर सके। इसके बाद सुनहला चौकी इंचार्ज प्रवीण कुमार ने अपनी निजी कार से दोनों बच्चियों के शव पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाए।

चांदनी के जेठ शिव सिंह ने बताया कि भाई राकेश काफी शराब पीता था, जिसकी वजह से उसके और चांदनी के बीच में कई बार अनबन हुई। पांच साल पहले चांदनी ने भाई राकेश से समोसा मंगाया था, वह समोसा नहीं लेकर आया तो दोनों में रात भर विवाद हुआ। उसके बाद चांदनी ने अपने परिजन को बुला लिया और उनके साथ वह मायके चली गई। करीब चार महीने से भाई राकेश भी घर से बिना बताए कहीं चला गया है।

मां शांति ने बताया कि चांदनी का पति राकेश शराब का लती था। अक्सर नशे में धुत होकर घर आकर मारपीट था। करती तो उसे और बेटियों को मारता पीटता आरोप है कि जब छोटी बेटी ब्यूटी करीब छह माह की थी तभी पति ने नशे में उसे छत से फेंकने का प्रयास किया था। चांदनी पति को छोड़कर मायके में उनके साथ रह रही थी। करीब एक वर्ष पहले पति से लिखा-पढ़ी में अलगाव हो गया था।

आंधी तूफान से दहशत, भारी नुकसान

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। जिले में मौसम ने अचानक करवट लेते हुए लोगों को चैंका दिया। चक्रवाती तूफान से लोगों में दहषत व्याप्त हो गयी। इसके कारण भारी क्षति हुई। तेज आंधी के साथ शुरू हुई घनघोर बारिश ने जहां भीषण गर्मी से परेशान लोगों को राहत दी, वहीं अचानक बदले इस मिजाज ने लोगों को सहमा भी दिया।शाम के समय ही आसमान में काले बादल इस कदर छा गए कि दिन में ही अंधेरा जैसा माहौल बन गया। तेज हवाओं के चलते कई जगह पेड़ों की डालियां टूटकर गिर गईं, जिससे आवागमन भी प्रभावित हुआ। अचानक आई इस आंधी और बारिश के कारण बाजारों में अफरा-तफरी का माहौल देखने को मिला और लोग सुरक्षित स्थानों की ओर भागते नजर आए।बारिश शुरू होते ही तापमान में गिरावट दर्ज की गई, जिससे उमस भरी गर्मी से लोगों को काफी राहत मिली। हालांकि तेज हवा और अंधेरे के चलते कुछ समय के लिए जनजीवन प्रभावित रहा। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह अचानक मौसम बदलने से जहां गर्मी से राहत मिली, वहीं तेज आंधी और अंधकार ने भय का माहौल भी बना दिया। प्रशासन की ओर से लोगों को सतर्क रहने और खराब मौसम में अनावश्यक रूप से बाहर न निकलने की अपील की गई है। ज्ञात हो कि अचानक बदले मौसम के कारण सड़कों पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई और लोग सुरक्षित स्थानों की ओर भागते नजर आए। बुधवार को अधिकतम तापमान 39 डिग्री और न्यूनतम 29 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि हवाएं करीब 16 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलीं। तूफानी हवाओं का असर ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक देखने को मिला। कई घरों का सामान मलबे और पानी में खराब हो गया। सैकड़ों पेड़ और बिजली के खंभे गिरने से पूरे जिले की बिजली आपूर्ति ठप हो गई, जिससे कई इलाके अंधेरे में डूब गए। आम की फसल और जायद की सब्जियों को भारी नुकसान पहुंचा है। किसानों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ सकता है।

उन्नाव में भीषण सड़क हादसा : बोलेरो और डंपर की जोरदार भिड़ंत, मासूम समेत तीन की मौत, सात की हालत नाजुक

आर्यावर्त संवाददाता

उन्नाव। उन्नाव जिले में बिहार-बक्सर मार्ग पर मंगलवार को भीषण सड़क हादसा हो गया। इसमें थाना क्षेत्र के कीरतपुर गांव के पास एक तेज रफ्तार डंपर ने बोलेरो को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों वाहन सड़क किनारे खंती में जा पलटे।

हादसे में बोलेरो सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सात अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। जानकारी के अनुसार, बोलेरो सवार सभी लोग मौरावां थाना क्षेत्र के पठई गांव के निवासी हैं। वे बक्सर स्थित चंडिका देवी मंदिर में बच्चे का मुंडन कराकर घर लौट रहे थे।

जोरदार टक्कर से उड़े बोलेरो के परखच्चे

डंपर की टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बोलेरो के परखच्चे उड़ गए। टक्कर मारने के बाद डंपर भी अनियंत्रित होकर बोलेरो के ऊपर ही खंती में पलट गया। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। ग्रामीणों और पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद मलबे में दबे घायलों को बाहर निकाला।

शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

गंभीर रूप से घायल सात लोगों को जिला अस्पताल भेजा गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। पठई गांव में जैसे ही हादसे की खबर पहुंची, पूरे गांव में सन्नाटा पसर गया। जिस घर में मुंडन की दावत की तैयारी हो रही थी, वहां अब कोहराम मचा हुआ है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

देवरिया में शादी के दिन दुल्हन की मौत, बारात आने से पहले सजने के लिए ब्यूटी पार्लर जा रही थी, तभी ट्रेलर की चपेट में आई

आर्यावर्त संवाददाता

देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया में दर्दनाक हादसे में एक युवती की मौत हो गई। ये हादसा उसकी शादी के दिन हुआ। ट्रेलर की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। जिस शादी की खुशियों का माहौल था, वहां अचानक मातम पसर गया। इस घटना से परिजन सदमे में हैं। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची और हालात का जायजा लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और ट्रेलर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

गौरकोठी गांव की रहने वाली युवती की शादी तय थी और मंगलवार को ही बारात आने वाली थी। परिवार में उत्सव का माहौल था, रिश्तेदारों का आना-जाना लगा हुआ था और शादी की तैयारियां अंतिम चरण में थीं। इसी बीच युवती तैयार होने के लिए पास के एक ब्यूटी पार्लर जा रही थी। किसी को अंदाजा नहीं था कि यह सफर उसकी जिंदगी का आखिरी सफर बन जाएगा।

ट्रेलर की चपेट में आई युवती

बताया जा रहा है कि जैसे ही युवती बरियारपुर चौराहे के पास सड़क पार कर रही थी, तभी तेज रफ्तार से आ रहे एक ट्रेलर ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि युवती की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत उसे संभालने की कोशिश की, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही परिवार के लोग मौके पर पहुंचे। अपनी बेटी को इस हालत में देखकर परिजन बेसुध हो गए और वहां मौजूद हर व्यक्ति की आंखें नम हो गईं। जिस घर में कुछ ही घंटों बाद बारात का स्वागत होना था, वहां अब मातम का माहौल छा गया। हादसे की खबर फैलते ही आसपास के गांवों के लोग भी मौके पर जुटने लगे। हर कोई इस दर्दनाक घटना से स्तब्ध है और परिवार को ढांढस बंधाने की कोशिश कर रहा है। इस हादसे ने एक बार फिर तेज रफ्तार वाहनों और सड़क सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन आरंभ

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में संचालित पाठ्यक्रमों की सम सेमेस्टर परीक्षा 2026 की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन बाला साहब देवरस केंद्रीय मूल्यांकन भवन में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो० वंदना सिंह ने बृहस्पतिवार को विधिवत पूजन के उपरांत प्रारंभ कराया. शहरऔर स्थानीय मार्गदर्शिका उन्होंने डा. पारुल त्रिवेदी, डॉ. अनुराग सिंह, डॉ. मनीष गुप्ता को मूल्यांकन हेतु उत्तर पुस्तिकाओं का आवंटन किया. उन्होंने कहा कि उत्तर पुस्तिकाओं का समय पर सुचितापूर्ण मूल्यांकन करें. परीक्षा नियंत्रक डॉक्टर विनोद कुमार सिंह ने राजभवन एवं उत्तर प्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग के निर्देश के क्रम में समर्थ पोर्टल का उपयोग करते हुए यथाशीघ्र परीक्षा परिणाम घोषित करने हेतु समन्वयक मूल्यांकन डॉ. अमरेंद्र कुमार सिंह एवं मूल्यांकन समिति डॉ० प्रवीण कुमार सिंह, डॉ सौरभ वी कुमार, डॉ अशोक यादव एवं डॉ सत्यम उपाध्याय को आवश्यक दिशा- निर्देश दिया।

बरेका से लौटी दो नर्सिंग छात्राएं बेहोश : वाराणसी में किया रास्ता जाम, लगाया गंभीर आरोप, पुलिस ने समझाया

आर्यावर्त संवाददाता

वाराणसी। भेलूपुर थाना क्षेत्र के सुंदरपुर स्थित उपकार नर्सिंग कॉलेज की दो छात्राएं बरेका से पैदल लौटते समय बेहोश हो गई। इसकी जानकारी मिलने के बाद नर्सिंग कॉलेज की छात्राओं ने सुंदरपुर-नरिया मार्ग पर रास्ता जाम कर दिया। करीब 45 मिनट तक इस एक ओर आवागमन प्रभावित रहा। आरोप लगाया कि कॉलेज प्रशासन की ओर से वाहन से बरेका में प्रधानमंत्री की सभा में ले जाया गया।

लौटते समय बस नहीं मिली और कॉलेज तक गर्मी में पैदल आना पड़ा। इससे अन्य छात्राओं की तबीयत खराब हो गई। उधर रास्ता जाम करने की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे डीसीपी काशी, एडीएम सिटी सहित कई अधिकारी पहुंचे। छात्राओं से बातचीत कर किसी तरह रास्ता जाम खत्म करवाया।

सुंदरपुर-नरिया मार्ग पर रास्ता जाम करने वाली छात्राओं ने एडीएम सिटी आलोक वर्मा, डीसीपी काशी गौरव बंशवाल को बताया कि करीब 80 छात्राओं को पीएम के कार्यक्रम में कॉलेज की बस से बरेका में प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में ले जाया गया था। उन्हें बैठने के लिए वहां सीट नहीं मिली। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद कॉलेज की बस भी लेने नहीं आई। लिहाजा बरेका कार्यक्रम स्थल से कॉलेज तक पैदल जाना पड़ा।

इससे दो छात्राएं बेहोश हो गई और अन्य छात्राओं की तबीयत बिगड़ गई। इस बारे में डीसीपी काशी गौरव बंशवाल ने बताया की कालेज प्रशासन की असुविधा से नाराज होकर नर्सिंग छात्राओं ने विरोध प्रदर्शन किया। शाम 4.30 बजे के बाद उन्हें सभा स्थल पर ले जाया गया। कुर्सी भी बैठने को नहीं मिली और सभा से पैदल उन्हें सुंदरपुर स्थित कालेज आना पड़ा। इसमें दो छात्राएं बेहोश हुई।

छात्राओं के आरोप पर नर्सिंग कालेज पर नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है। कुछ लोग प्रधानमंत्री की सभा से जोड़कर इसे प्रसारित कर रहे है, जो कि गलत है। सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। उधर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने भी अपने एक्स पर छात्राओं के बेहोश करने का वीडियो अपलोड किया है। लिखा है कि पीएम की जनसभा में बदइंतजामीके कारण मेडिकल छात्राओं का बेहोश होना दुर्भाग्यपूर्ण और विचलित करने वाला है। अजय राय ने इसको आयोजको की घोर लापरवाही बताया है।

आहना यादव का एनटीए में पहला स्थान

जौनपुर। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित सीयूईटी पीजी प्रवेश परीक्षा अंग्रेजी विषय में उत्तरप्रदेश के जौनपुर जिले की बेटी आहना यादव ने पूरे देश में पहला स्थान प्राप्त कर परिजनों सहित पूरे जनपद को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है ।षहर कोतवाली थाना क्षेत्र के गूलरघाट निवासी शिक्षक संजय यादव व मनोरमा यादव की पुत्री आहना यादव ने अंग्रेजी विषय से परास्नातक करने के लिए एनटीए (नेशनल टेस्टिंग एजेन्सी) द्वारा आयोजित सीयूईटी पीजी प्रवेश परीक्षा में प्रतिभाग किया था। सीयूईटी द्वारा घोषित परिणाम में आहना यादव नें पूर्णांक 300 में 287 अंक हासिल कर अंग्रेजी विषय से परास्नातक करने के क्रम में पूरे देश में सर्वोच्च अंक हासिल कर पहला स्थान बनाने में कामयाब रहीं और सीयूईटी पीजी की सभी विषयों की संयुक्त परीक्षा परिणाम में देश में चैथे स्थान पर रही।

भ्रष्टाचार की शिकायत पर आगबबूला हुआ ग्राम प्रधान, शख्स को लाठी-डंडों से पीट-पीटकर मार डाला

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर ।उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां ग्राम प्रधान के खिलाफ भ्रष्टाचार और अनियमितता की शिकायत करना एक परिवार को भारी पड़ गया। आरोप है कि शिकायत से नाराज ग्राम प्रधान और उसके समर्थकों ने शिकायतकर्ता के भाई पर जानलेवा हमला कर दिया, जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। इस घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है, जबकि पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए हैं।

घटना शिवगढ़ थाना क्षेत्र के भिटौरा गांव की है। भिटौरा गांव निवासी बलवंत सिंह ने ग्राम प्रधान के खिलाफ अनियमितताओं और भ्रष्टाचार की शिकायत की थी, जिसकी जांच चल रही थी। आरोप है कि इसी शिकायत को लेकर ग्राम प्रधान और उसके समर्थक बलवंत सिंह के परिवार से रंजिश रखने लगे थे।

बरसाए लाठी-डंडे

बताया जा रहा है कि मंगलवार शाम बलवंत सिंह के भाई जसवंत सिंह शिवगढ़ बाजार से सब्जी लेकर अपने घर लौट रहे थे। जैसे ही वे गांव के पास पहुंचे, पहले से घात लगाए बैठे ग्राम प्रधान और उसके सहयोगियों ने उन पर हमला कर दिया। आरोपियों ने जसवंत पर लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से बेरहमी से प्रहार किया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। वारदात को अंजाम देने के बाद सभी हमलावर मौके से फरार हो गए।

घटना की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और गंभीर हालत में जसवंत सिंह को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) लंभुआ ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने उनकी हालत नाजुक देखते हुए उन्हें सुल्तानपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। इलाज के दौरान बुधवार सुबह जसवंत सिंह ने दम तोड़ दिया।

मृतक के भाई ने लगाए गंभीर आरोप

मृतक के भाई बलवंत सिंह का आरोप है कि ग्राम प्रधान के खिलाफ की गई शिकायत के कारण ही उनके भाई को निशाना बनाया गया। उनका कहना है कि आरोपियों ने सुनियोजित तरीके से हमला कर इस वारदात को अंजाम दिया है।इधर, घटना के बाद पुलिस हरकत में आई और पीड़ित परिवार की तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस टीम लगातार दबिश देकर आरोपियों की गिरफ्तारी का प्रयास कर रही है। सुल्तानपुर के अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) ब्रिज नारायण सिंह ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और सभी आरोपियों की तलाश की जा रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कांग्रेस नेताओं को किया हाउस अरेस्ट

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। वाराणसी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रोड शो रैली के दौरान कांग्रेसियों के विरोध प्रदर्शन की तैयारियों को देखते हुए ` जिले भर के प्रमुख कांग्रेस नेताओं को मंगलवार की रात्रि में उनके घरों में भारी पुलिस बल के द्वारा नजरबंद कर दिया गया। जौनपुर कांग्रेस के जिलाध्यक्ष डा. प्रमोद कुमार सिंह को उनके सुजानगंज आवास पर स्थानीय पुलिस ने रात्रि में नजरबंद कर दिया तो वहीं खुटहन की पुलिस ने थानाध्यक्ष दिनेश कुमार सिंह के नेतृत्व में दर्जनो पुलिस बल के साथ पार्टी के जिला उपाध्यक्ष एवं संगठन प्रभारी राकेश मिश्रा को उनके घर पर रात्रि में ही हाउस अरेस्ट कर लिया। शहर अध्यक्ष आरिफ खान, प्रदेश सचिव सत्यवीर सिंह, प्रदेश सचिव पंकज सोनकर के साथ कांग्रेस नेता जयमंगल यादव सहित कांग्रेस के अन्य कार्यकर्ताओं को प्रधानमंत्री की रैली को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए नजर बंद कर दिया। इस नजरबंदी से जनपद भर के कांग्रेसियों में उबाल व गुस्सा देखा गया। कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष डा प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि ऐसी गिरफ्तारियां लोकतंत्र और संविधान को कमजोर करती है। बिना किसी सुचना के गिरफ्तार करना ब्रिटिश हुकूमत की यादें ताजा कर रही है। प्रमोद सिंह ने आगे कहा कि योगी आदित्यनाथ की सरकार और नरेन्द्र मोदी की सरकार विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए पुलिस का दुरपयोग करती है। लोकतंत्र में हर व्यक्ति को अपनी आवाज उठाने के लिए संवैधानिक स्वतंत्रता प्राप्त है, किंतु सरकार अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को जबरन गिरफ्तार करना निंदनीय कार्य है। गिरफ्तार होने वालों में कांग्रेस नेता इरशाद खान राजू , शेर बहादुर सिंह, विनय मिश्रा, सहित अन्य लोग रहें।

योग और पिलेट्स में क्या है अंतर? किससे मिलते हैं ज्यादा फायदे

योग से शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रखने में मदद मिलती है। वेट लॉस, स्ट्रेस को कम करने और सेहत से संबंधित कई मेडिकल कंडीशन में योग करना फायदेमंद होता है। वहीं कई लोग जिम जाकर एक्सरसाइज करते हैं, इसमें कई तरह के इक्विपमेंट की जरूरत होती है। उसी में आजकल पिलेट्स का नाम काफी सुनने में आ रहा है।

पिलेट्स एक्सरसाइज की तस्वीरें देखें, तो यह देखने में योग की तरह ही लगता है। योग और पिलेट्स दोनों ही शरीर और मन दोनों को हेल्दी रखने में मदद करते हैं। साथ ही शरीर को फ्लेक्सिबल बनाने में मदद मिलती है। लेकिन इन दोनों में कुछ बातों ऐसी हैं जो इन दोनों को एक दूसरे से अलग बनाती हैं।

पिलेट्स

योग के अभ्यास के दौरान आमतौर पर एक ही पोजिशन अपनानी होती है और उसमें कुछ सेकेंड रखने के बाद अलग पोजीशन में जाते हैं। वहीं पिलेट्स में एक पोजिशन अपनाते हैं और फिर अपनी बाहों या पैरों को हिलाकर अपने कोर करते हैं। दोनों ही शरीर को एनर्जी और फ्लेक्सिबल बनाने में मदद करती है।

पिलेट्स के इतिहास की बात करें तो इसका शुरुआत जोसेफ पिलेट्स नाम के एक बीमार बच्चे से शुरू होती है, जिसका जन्म 1883 में जर्मनी में हुआ था। वह अपनी सेहत को बेहतर बनाने के लिए मार्शल आर्ट, योग, मन और शरीर से जुड़े दूसरे विषयों पर रिसर्च कर रखा था। प्रथम विश्व युद्ध के दौरान उन्होंने घायल सैनिकों के साथ काम किया, तो शरीर की गतिविधियों को लेकर उनकी रुचि बढ़ने लगी। युद्ध के बाद वह अपनी व्यायाम शैली को न्यूयॉर्क शहर में ले आए, जिसे अभिनेताओं और एथलीटों भी अपनाया। इसे विशेष रूप से पेट की मांसपेशियों, पीठ का निचला हिस्सा और कोर पर ध्यान केंद्रित करता है। पिलेट्स चटाई पर या विशेष इक्विपमेंट के द्वारा किया जा सकता है।

वेबएमडी के मुताबिक पिलेट्स कोर स्ट्रेंथ को बढ़ाने और स्टेबिलिटी बेहतर बनाने में मदद करता है। इसके साथ ही इसे करने से पोसचर में भी सुधार करने, फ्लेक्सिबिलिटी बनाने और लोअर बैक पेन को कम करने में मदद मिल सकती है। पिलेट्स कोई एरोबिक एक्सरसाइज नहीं है। लेकिन यह तनाव को कम कर सकता है, जिससे यह हार्ट के लिए भी फायदेमंद हो सकता है।

योग

वहीं योग भारत में काफी सालों पहले से किया जाता है, हेल्थलाइन के मुताबिक इसका इतिहास पांच हजार साल पुराना है। इसके अलावा इसमेंमाइंडफुलनेसऔर सांसों पर ध्यान केंद्रित करना होता है। योग कई अलग-अलग तरह के होते हैं। हर किसी की अपनी पहचान और मुवमेंट होती है। इससे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद मिलती है।

हेल्थलाइन के मुताबिक योग से स्ट्रेस, डिप्रेशन और एंग्जायटी को कम करने, रेस्पिरेटरी सिस्टम से जुड़ी समस्याएं, हाई ब्लड प्रेशर, शरीर में दर्द, टाइप 2 डायबिटीज और अर्थराइटिस जैसी समस्याओं को कम करने में मदद मिल सकती है।

योग और पिलेट्स में क्या अंतर है?

अगर इनके बीच की अंतर ही बात करें तो योग लचीलापन और कुछ मसल्स ग्रुप को फोक्स करता है। जबकि पिलेट्स मांसपेशियों की टोनिंग, शरीर पर नियंत्रण और कोर स्ट्रेंथ को बेहतर बनाने में मदद करता है। योग बैलेंस बनाने और मन को शांत करने में मदद करता है। योग आमतौर पर पिलेट्स जितना तेज नहीं होता, बल्कि इसमें माइंडफुलनेस और गहरी सांस लेने पर ज्यादा ध्यान दिया जाता है। इसके अलावा कुछ योगासन में पूरे शरीर को मूवमेंट होती है। पिलेट्स कोर की ताकत बढ़ाने और शरीर का बैलेंस बनाने में मदद करता है।

वेबएमडी के मुताबिक यदि आप अपनी स्ट्रेंथ और लचीलापन बढ़ाना चाहते हैं, तो पिलेट्स बेहतर विकल्प हो सकता है। यदि आप अपने ओवरऑल हेल्थ में सुधार करना चाहते हैं, तो आप योग आपके लिए बेहतर होगा। योग और पिलेट्स दोनों ही बेहतर वर्कआउट है, लेकिन अगर आपको सेहत से जुड़ी कोई समस्या यानी कि मेडिकल कंडीशन या शरीर में दर्द है तो इसे शुरू करने से पहले एक्सपर्ट की सलाह लेनी चाहिए।

भारत के 5 पॉपुलर डेस्टिनेशन जहां टूरिस्ट का लगा रहता है तांता, बजट में ऐसे करें ट्रिप

भारत की नेचुरल ब्यूटी को शब्दों में बांधना मुश्किल है। वहीं ऐतिहासिक जगहों की समृद्ध विरासत जानने के लिए भी हमारे यहां बहुत कुछ है और इसके लिए ट्रैवल से बेहतर कुछ नहीं। चलिए जान लेते हैं इस आर्टिकल में ऐसे पांच पॉपुलर टूरिस्ट प्लेस के बारे में जो प्राकृतिक खूबसूरती, कला और इतिहास से समृद्ध हैं। इन जगहों की ट्रिप भी बजट में प्लान की जा सकती है।

उत्तर से लेकर दक्षिण तक और पूर्व से लेकर पश्चिम तक भारत की नेचुरल ब्यूटी को शब्दों में बांधना मुश्किल है। हमारे यहां ऐसे खूबसूरत टूरिस्ट प्लेसेस है, जो घूमने वालों के लिए किसी जन्नत से कम नहीं है। हालांकि कुछ ऐसी जगहें हैं जो देसी से लेकर विदेशी पर्यटकों के बीच काफी पॉपुलर हैं और यही वजह है कि इन जगहों पर हमेशा ही पर्यटक पहुंचते हैं। वहीं पीक सीजन में तो भीड़ हजारों में रहती है। कुछ जगहों पर लोग प्रकृति की खूबसूरती में वक्त गुजारने तो वहीं कुछ जगहों पर कला को करीब से जानने के लिए पहुंचते हैं। खास बात ये है कि इन जगहों की ट्रिप प्लान करने के लिए आपको बहुत ज्यादा खर्चा करने की जरूरत नहीं होती है। सही से प्लानिंग करके आप आप कम बजट में ही यादगार ट्रिप कर सकते हैं।

कला प्रेमी हैं...एडवेंचर का शौक रखते हैं या फिर ऐतिहासिक जगहों को एक्सप्लोर करना हो और प्रकृति की गोद में सुकून भरा समय बिताना हो, भारत में वो हर जगह है जहां जाना आपके लिए बेहतरीन एक्सपीरियंस रहेगा। फिलहाल आपकी वेकेशन को मजेदार बनाने के लिए हम इस आर्टिकल में कुछ पॉपुलर टूरिस्ट प्लेस के बारे में बताएंगे जो बजट फ्रेंडली भी हैं।

आगरा को करें एक्सप्लोर

दिल्ली के रहने वाले हैं और एक से दो दिन की बजट फ्रेंडली ट्रिप प्लान करनी है तो कुछ ही घंटों की दूरी पर स्थित आगरा एक्सप्लोर कर सकते हैं। यहां देश-विदेश से पर्यटक घूमने आते है। उत्तर प्रदेश में स्थित आगरा का ताजमहल कला और प्रेम का प्रतीक है जिसकी खूबसूरती हर किसी का दिल जीत लेती है। आप बस, ट्रेन या फ्लाइट से भी जा सकते है। अगर आप दिल्ली से आगरा जा रहे है तो बस बेस्ट है। उत्तर प्रदेश परिवहन की बस बुक करें जिसका किराया प्राइवेट बस से कम होता है। यहां पहुंच कर आप ताजमहल तक जाने के लिए वहां के लोकल वाहन का प्रयोग करें। वैसे तो आगरा में सिर्फ ताजमहल देखना हो तो शाम तक यह काम पूरा हो सकता है जिसमें आपके महज 2000 तक ही खर्च होंगे। लेकिन आगरा में अन्य जगहों को घूमना हो और एक रात रुकने का प्लान हो तो आप सिर्फ 8-10 हजार के बजट में यह ट्रिप आसानी से पूरी कर सकते हैं।

शिमला है सबका पसंदीदा प्लेस

हिमाचल प्रदेश के सबसे पॉपुलर प्लेस में शुमार शिमला घूमना ज्यादातर लोगों का सपना होता है। यहां की लोकल मार्केट और प्राकृतिक खूबसूरत नजारे आपका दिल जीत लेंगे। शिमला जाने के लिए आप हिमाचल परिवहन या प्राइवेट बस दिल्ली से बुक कर सकते हैं। पहाड़ों की गोद में स्थित ये जगह हर मौसम में खूबसूरत लगती है और बजट फ्रेंडली भी है। अगर आप शिमला जाने का प्लान कर रहे हैं तो आपकी जेब में 10-11 हजार होना काफी है। शिमला में 500 से 1000 के बीच आपको एक-दो रात रुकने के लिए होटल मिल जाएंगे। खाने के लिए आप वहां का लोकल फूड ट्राई करें जो बेस्ट होगा। शिमला में घूमने के लिए आप स्कूटी या कार रेंट पर ले सकते हैं। यह आपको 600-800 रुपये के चार्ज पर मिल जाएगी।

पिंक सिटी जयपुर

गुलाबी नगरी कहा जाने वाला जयपुर शहर भारतीयों से लेकर विदेशियों के लिए एक लोकप्रिय टूरिस्ट प्लेस है। जयपुर अपने आप में ऐतिहासिक इमारत भारत के इतिहास की झलक समेटे हुए है। गर्मियों का सीजन हो या सर्दियों का जयपुर में पर्यटकों की भारी भीड़ रहती है। आप जानकर हैरान हो जाएंगे कि दिल्ली से जयपुर का ट्रिप आप महज 5 से 6 हजार रुपये में ही पूरा हो सकता है। दिल्ली से आसानी से आपको बस मिल जाएगी जो जयपुर सिटी आपको छोड़ देगी। महज 5 से 6 घंटों का सफर तय करके आप जयपुर पहुंच जाएंगे। जयपुर में आप हवा महल और अन्य जगहों पर घूम सकते हैं। जयपुर की मार्केट बहुत फेमस है जहां आप खरीदारी कर सकते हैं। साथ ही खाने-पीने के लिए जयपुर में काफी ऑप्शन है, जैसे राजस्थान की फेसम दाल बाटी चूरमा, गट्टे की सब्जी आप खा सकते है। 100 से 200 के बीच आप भरपेट खाना खा सकते।

स्वर्ण मंदिर के लिए फेमस अमृतसर

पंजाब में स्थित अमृतसर काफी पॉपुलर है। स्वर्ण मंदिर अमृतसर में लोकप्रिय टूरिस्ट प्लेस है जहां आप सिख समुदाय की अनमोल धरोहर को आप देख सकते है। अमृतसर जाने के लिए आप ट्रेन या बस को चुन सकते हैं। पंजाब परिवहन की बस से अगर आप जाते है तो आप कम किराए में सफर तय कर लेंगे। अमृतसर में आपको रुकने के लिए 500 से 1000 रुपये के बीच कमरें मिल जाएंगे। साथ ही खाना खाने के लिए तो पंजाबी खाने से बेस्ट कुछ भी नहीं। आप वहां लोकल फूड्स ट्राई करें जो कब बजट में स्वाद से भरपूर होगा। वहीं लंगर छक सकते हैं। अमृतसर आप 5000 से 7000 हजार रुपये में घूम लेंगे।

झीलों की नगरी नैनीताल

अगर आप पहाडों, झीलों के शौकीन है तो नैनीताल आपके लिए सबसे बेस्ट है। परिवार से लेकर दोस्तों संग आप नैनीताल घूम सकते हैं। यहां जाने के लिए आप बस को चुनें आपके लिए सफर आसान होगा। नैनीताल के लिए 10,000 हजार तक का बजट काफी रहेगा। यहां नैना देवी मंदिर के दर्शन कर सकते हैं, साथ ही झीलों के नजारे आपका मन मोह लेंगे, नैनीताल के खाने से लेकर होटल तक का किराया बजट फ्रेंडली है।

सिर्फ अंडे ही नहीं , ये सब्जियां भी देती हैं भरपूर प्रोटीन, कमजोर हड्डियों में भर देंगी जान

शरीर के लिए प्रोटीन एक जरूरी पोषक तत्व है। ये हड्डियों को मजबूत बनाने के साथ ही मसल्स गेन में भी मदद करता है। सबसे ज्यादा प्रोटीन मांस-मछली, अंडा और डेयरी प्रोडक्ट्स में पाया जाता है। लेकिन अगर आप वेजिटेरिशन हैं तो हम आपको 5 ऐसी सब्जियां बता रहे हैं जो प्रोटीन का बेहतरीन स्त्रोत है।

आजकल फिटनेस को लेकर लोग जागरुक हो रहे हैं। ऐसे में वो अपनी डाइट में कई तरह के पोषक तत्व शामिल कर रहे हैं, जिसमें से एक है प्रोटीन। लेकिन बहुत से लोग ये मानते हैं कि प्रोटीन केवल अंडे, मांस या दूध जैसे नॉनवेज और डेयरी प्रोडक्ट्स से ही मिलता है। खासकर शाकाहारी लोग अक्सर सोचते हैं कि उनके लिए प्रोटीन का कोई भरपूर ऑप्शन ही नहीं है। लेकिन ऐसा नहीं है कुछ सब्जियां ऐसी हैं जो प्रोटीन का बेहतरीन स्त्रोत हैं।

प्रोटीन हमारे शरीर की मरम्मत और विकास के लिए बेहद जरूरी पोषक तत्व है। ये मसल्स बनाने, इम्यून सिस्टम मजबूत करने और हड्डियों को ताकत देने में अहम भूमिका निभाता है। अगर किसी को मांसपेशियों की कमजोरी, जोड़ों में दर्द या हड्डियों की कमजोरी की शिकायत है, तो प्रोटीन युक्त डाइट बेहद जरूरी हो जाती है। तो आइए जानते हैं उन पौष्टिक सब्जियों के बारे में जो ना सिर्फ अंडे से ज्यादा प्रोटीन देती हैं, बल्कि आपकी हड्डियों को भी मजबूत बनाती हैं।

ब्रोकली

ब्रोकली एक सुपरफूड मानी जाती है जो सिर्फ एंटीऑक्सीडेंट और फाइबर में ही नहीं, बल्कि प्रोटीन में भी भरपूर होती है। 100 ग्राम ब्रोकली में लगभग 2.15 ग्राम प्रोटीन पाया जाता है। यह हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए जरूरी विटामिन K और कैल्शियम से भी भरपूर होती है।

हरी मटर / ग्रीन पीस

एक कप उबली हुई हरी मटर में लगभग 8.158 ग्राम प्रोटीन होता है, जो कि अंडे से भी ज्यादा है। इसके साथ ही यह विटामिन C, आयरन और फाइबर का भी अच्छा स्रोत है। यह न सिर्फ इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है, बल्कि हड्डियों की मजबूती में भी सहायक होता है।

पालक

पालक को अक्सर आयरन का अच्छा स्रोत माना जाता है, लेकिन इसमें प्रोटीन भी अच्छी मात्रा में मौजूद होता है। एक कप पकाई गई पालक में लगभग 6 ग्राम प्रोटीन होता है। इसमें मौजूद विटामिन A, C और K हड्डियों और स्किन दोनों के लिए फायदेमंद हैं।

ब्रसेल्स गोभी

ब्रसेल्स गोभी, दिखने में छोटी बंदगोभी जैसी होती है और पोषण से भरपूर होती है। इसमें प्रति 100 ग्राम में लगभग 3.14 ग्राम प्रोटीन पाया जाता है। यह हड्डियों की ताकत बढ़ाने, सूजन को कम करने और शरीर को डिटॉक्स करने में मदद करती है।

ग्रीन बींस

हरी फलियां यानी ग्रीन बींस स्वादिष्ट होने के साथ-साथ पोषण से भरपूर होती हैं। एक कप ग्रीन बींस में लगभग 2 ग्राम प्रोटीन होता है। ये बीन्स कैल्शियम, पोटैशियम और फाइबर का अच्छा स्रोत भी हैं, जो हड्डियों और पाचन दोनों के लिए लाभकारी हैं।

मात्र 76 हजार रुपए वाले इस इलेक्ट्रिक स्कूटर की मची लूट, बिक्री ने पार किया 6 लाख का आंकड़ा

भारत के इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बाजार में इन दिनों ग्राहकों की जबरदस्त दिलचस्पी देखने को मिल रही है और इसी का फायदा उठाते हुए प्रमुख इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता कंपनी एथर एनर्जी ने एक बड़ा मुकाम हासिल कर लिया है। सरकारी डेटा प्लेटफॉर्म वाहन पोर्टल के ताजा आंकड़ों के अनुसार, एथर ने अपनी कुल बिक्री में 6 लाख यूनिट का जादुई आंकड़ा पार कर लिया है। कंपनी अब तक कुल 6,04,997 इलेक्ट्रिक स्कूटर बेच चुकी है और इसी शानदार प्रदर्शन के दम पर एथर भारत की टॉप तीन इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर कंपनियों की लिस्ट में शान से शामिल हो गई है।

कोविड के बाद इस तरह पकड़ी तेज रफ्तार

एथर एनर्जी के लिए यह सफर हमेशा से इतना आसान नहीं था। साल 2018 से 2021 के बीच शुरुआती दौर में कंपनी की बिक्री काफी धीमी रही थी और विशेष रूप से 2020-21 के दौरान कोविड-19 महामारी ने डिमांड पर गहरा असर डाला था। हालांकि, 2022 से कंपनी ने बाजार में जो रफ्तार पकड़ी, वह आज तक कायम है। साल 2022 में 51,811 यूनिट्स बेचने के बाद 2023 में कंपनी ने जबरदस्त छलांग लगाई और यह आंकड़ा 1.26 लाख यूनिट तक पहुंच गया। पिछले साल 2025 में भी एथर ने 59 प्रतिशत की शानदार सालाना ग्रोथ के साथ 2,01,129 यूनिट्स की बिक्री की थी। वहीं, मौजूदा साल 2026 में भी ग्राहकों का क्रेज कम नहीं हुआ है और 1 जनवरी से 22 अप्रैल 2026 के बीच ही कंपनी करीब 99,159 यूनिट्स बेचकर अपनी मजबूत दावेदारी पेश कर चुकी है।

'रिज्टा' मॉडल ने बदल दी कंपनी की किस्मत

एथर की इस रिकॉर्डतोड़ सफलता के पीछे सबसे बड़ा हाथ इसके 'रिज्टा' मॉडल का है। यह स्कूटर अकेले कंपनी की कुल बिक्री का लगभग 70 से 75 प्रतिशत हिस्सा कवर करता है। टीवीएस आईक्यूब और बजाज चेतक जैसे दिग्गज मॉडल्स को सीधी टक्कर देने के लिए उतारे गए इस स्कूटर की सबसे बड़ी खासियत इसका बैटरी-एज-ए-सर्विस मॉडल है। इस खास सुविधा के कारण ग्राहकों को यह स्कूटर बेहद कम कीमत में मिल जाता है। वैसे तो इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत करीब 1.16 लाख रुपये है, लेकिन क्चड्डुड्डस् मॉडल के तहत ग्राहक इसे महज 76,000 रुपये के आकर्षक दाम पर अपने घर ले जा सकते हैं।

अब 14 लाख से ज्यादा स्कूटर बनाने की है बड़ी तैयारी

लगातार बढ़ती डिमांड को देखते हुए एथर एनर्जी अब अपनी मैन्युफैक्चरिंग क्षमता को तेजी से विस्तार देने में जुट गई है। कंपनी का लक्ष्य अब अपने सालाना उत्पादन को 4.20 लाख यूनिट से बढ़ाकर सीधे 14.20 लाख यूनिट तक ले जाने का है। वर्तमान में होसुर स्थित दो प्लांट में स्कूटर असेंबली और बैटरी का प्रोडक्शन किया जा रहा है। इसके अलावा उत्पादन को और रफ्तार देने के लिए छत्रपति संभाजीनगर में कंपनी अपना तीसरा बड़ा प्लांट भी तैयार कर रही है, जिसके पहले फेज का काम 2026 के दूसरे हाफ तक शुरू होने की पूरी उम्मीद है।

देशभर में तेजी से फैल रहा नेटवर्क

अपनी शानदार बिक्री के साथ-साथ एथर एनर्जी देश के कोने-कोने में अपने एक्सपीरियंस सेंटर भी तेजी से खोल रही है। कंपनी ग्राहकों तक अपनी पहुंच आसान बनाने के लिए लगातार काम कर रही है और अब इसके पास 700 से ज्यादा टचपॉइंट्स मौजूद हैं। सिर्फ 2026 के शुरुआती महीनों में ही कंपनी ने अपने नेटवर्क का आक्रामक रूप से विस्तार किया है। इससे यह साफ जाहिर होता है कि एथर आने वाले समय में भारतीय बाजार पर पूरी तरह से छा जाने की तैयारी कर चुकी है।

पहली बार मई की भीषण गर्मी में दौड़ेगी 'पैलेस ऑन व्हील्स', 18 लाख रुपये से अधिक है एक टिकट की कीमत

राजस्थान की शान और देश की सबसे लग्जरी ट्रेनों में शुमार 'पैलेस ऑन व्हील्स' एक बार फिर चर्चा का विषय बन गई है। अपने 45 साल के लंबे इतिहास में पहली बार यह शाही ट्रेन मई महीने की चिलचिलाती गर्मी में पर्यटकों को सफर कराती नजर आएगी। आमतौर पर यह ट्रेन केवल सर्दियों और अनुकूल मौसम में ही संचालित की जाती रही है। बदलते वैश्विक हालातों और मध्य-पूर्व में तनाव के कारण विदेशी पर्यटकों की घटती संख्या को देखते हुए, राजस्थान के पर्यटन उद्योग को संजीवनी देने के लिए यह अनोखा और सकारात्मक प्रयोग किया जा रहा है।

एक बैंक ने बुक की पूरी शाही ट्रेन

एक राष्ट्रीयकृत बैंक ने अपने 84 विशेष सदस्यों को शाही सफर का अनुभव देने के लिए इस पूरी ट्रेन को बुक किया है। यह सफर 20 मई को देश की राजधानी दिल्ली से शुरू होगा और 21 मई की सुबह गुलाबी नगरी जयपुर पहुंचेगा। जयपुर स्टेशन पर इन खास मेहमानों के शानदार स्वागत के लिए भव्य तैयारियां की जा रही हैं। पर्यटन विशेषज्ञों का मानना है कि ऑफ-सीजन में इस तरह की चार्टर यात्रा से न केवल होटल और ट्रैवल सेक्टर को बड़ा फायदा मिलेगा, बल्कि

स्थानीय कारोबारियों को भी एक मजबूत आर्थिक सहारा मिलेगा।

गर्मी को मात देने के लिए मेन्यू में हुए बड़े बदलाव

मई की भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए ट्रेन के अंदर यात्रियों के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। खानपान के मेन्यू को पूरी तरह से बदल दिया गया है ताकि सफर के दौरान यात्रियों को गर्मी से राहत मिल सके। ट्रेन के प्रवक्ता हृदयेश चानसोनिया और हेड शेफ राजेंद्र के अनुसार, ट्रेन जिस भी शहर से गुजरेगी वहां के मशहूर ठंडे पेय और व्यंजन यात्रियों को परोसे जाएंगे। सवाई माधोपुर में आम का पना, चित्तौड़गढ़ में गुलाब की ठंडी खीर, उदयपुर में ठंडाई और जैसलमेर में खास ऑरेंज ड्रिंक का इंतजाम किया गया है। वहीं, जयपुर पहुंचने पर मेहमानों को लस्सी, कुल्फी और फालूदा जैसे पारंपरिक ठंडे व्यंजनों का स्वाद चखाया जाएगा।

लाखों में है इस आलीशान सफर का किराया

पैलेस ऑन व्हील्स को देश की सबसे महंगी और भव्य ट्रेन का दर्जा प्राप्त है। इसके सात रात और आठ दिन के पैकेज का किराया लाखों रुपये में होता है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, इस ट्रेन के प्रेसिडेंशियल सुइट का किराया करीब 2.67 लाख रुपये प्रतिदिन है, जो पूरे टूर के लिए लगभग 18.7 लाख रुपये बैठता है। इसी तरह सुइट श्रेणी के लिए कुल 15.3 लाख रुपये और सुपर डीलक्स केबिन के लिए 13.6 लाख रुपये खर्च करने होते हैं। इसके अलावा सिंगल ऑक्यूपेंसी डीलक्स केबिन का पूरा पैकेज करीब 7.7 लाख रुपये और डबल ऑक्यूपेंसी डीलक्स केबिन का खर्च प्रति व्यक्ति लगभग 5 लाख रुपये तक पहुंचता है।

मेटा में 14 हजार कर्मचारियों की छुट्टी तय, खर्च नहीं एआई बनी वजह, जकरबर्ग का बड़ा दांव

फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप जैसी लोकप्रिय सेवाएं चलाने वाली दुनिया की दिग्गज टेक कंपनी मेटा एक बार फिर बड़े पैमाने पर छंटनी करने जा रही है। हैरानी की बात यह है कि इस बार कंपनी नुकसान में नहीं है और न ही सिर्फ खर्च कम करने के लिए यह कदम उठाया जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मेटा अपने कुल कर्मचारियों में से करीब 10 प्रतिशत यानी लगभग 8,000 लोगों को नौकरी से निकालने वाली है। इसके अलावा 6,000 नई नौकरियों को भरने का प्लान भी रोक दिया गया है। कुल मिलाकर 14 हजार नौकरियों पर इसका सीधा असर पड़ेगा। यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है जब मेटा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (्रड्ढ) पर भारी निवेश कर रही है और अपने पूरे बिजनेस मॉडल को बदल रही है।

मेटा के अंदर हो रहे इन बड़े बदलावों से साफ पता चलता है कि एआई अब सिर्फ एक तकनीक नहीं रह गया है, बल्कि यह काम करने के पूरे तरीके को ही बदल रहा है। कंपनी ऐसे एडवांस सिस्टम विकसित कर रही है जो इंसानों के कई काम खुद कर सकते हैं। कोडिंग, कंटेंट क्रिएशन और डेटा एनालिसिस जैसे जटिल काम अब एआई टूल्स तेजी से कर रहे हैं। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई भी हाल ही में यह मान चुके हैं कि उनकी कंपनी में 70 प्रतिशत तक कोडिंग एआई खुद कर रहा है। ऐसे में कोडर्स और सामान्य कर्मचारियों की नौकरियों पर तलवार लटकना लाजमी है और कइयों की छंटनी हो भी चुकी है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, छंटनी के साथ-साथ मेटा 6,000 नई नौकरियों के रोल्स को भी फ्रीज कर रही है। इसका सीधा मतलब यह है कि कंपनी मौजूदा कर्मचारियों को तो निकाल ही रही है, बल्कि भविष्य में आने वाली नौकरियों के दरवाजे भी बंद कर रही है। मार्क जुकरबर्ग स्पष्ट कर चुके हैं कि आने वाले समय में एआई कई काम खुद करने में सक्षम होगा। कंपनी अब ज्यादा इंसानों को काम पर रखने के बजाय ज्यादा मशीनों और एआई सिस्टम्स पर भारी भरोसा जता रही है। यह संकट सिर्फ मेटा तक सीमित नहीं है। माइक्रोसॉफ्ट, अमेजन और ओरेकल जैसी दूसरी दिग्गज टेक कंपनियां भी इसी राह पर चल पड़ी हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2026 की शुरुआत में ही टेक इंडस्ट्री में हजारों नौकरियां खत्म हो गई हैं और इनमें से करीब 25 प्रतिशत मामलों में एआई एक बहुत बड़ा कारण रहा है। एक अनुमान के अनुसार, इस साल दुनिया भर में टेक कंपनियों ने एआई की वजह से 70 हजार से ज्यादा लोगों को बाहर का रास्ता दिखाया है।

मेक्सिको का बड़ा दावा, राष्ट्रपति बोलीं- अमेरिका ने हमारे कानून का सम्मान करने का दिया आश्वासन

मेक्सिको सिटी, एजेंसी। मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने कहा है कि अमेरिका ने मेक्सिको के कानून और संविधान का सम्मान करने का आश्वासन दिया है। यह बयान उस विवाद के सामने आने के बाद दिया गया है, जिसमें खुलासा हुआ कि केंद्रीय खुफिया एजेंसी (सीआईए) के एजेंट देश में बिना संघीय अनुमति के सक्रिय थे।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में शीनबाम ने बताया कि अमेरिका मेक्सिको द्वारा भेजे गए कूटनीतिक नोट का जवाब दे रहा है। यह नोट 19 अप्रैल की उस घटना के बाद भेजा गया था, जिसमें ड्रग विरोधी अभियान के दौरान एक हादसे में दो सीआईए एजेंटों की मौत हो गई थी। इस अभियान के दौरान उनकी गतिविधियां उजागर हो गई

थीं। शीनबाम ने कहा कि वे हमें जानकारी दे रहे हैं और उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा है कि वे मेक्सिको के कानून और संविधान का पालन करेंगे।

समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तरी राज्य चिहुआहुआ में एक गुप्त ड्रग लैब को ध्वस्त करने के लिए चलाए गए इस ऑपरेशन में अमेरिकी खुफिया एजेंट शामिल थे। यह कार्रवाई बिना मेक्सिको की संघीय सरकार की अनुमति के की गई थी, जिससे दोनों देशों के बीच कूटनीतिक तनाव पैदा हो गया।

सीआईए की संलिप्तता पर क्या कहा?

राष्ट्रपति ने बताया कि इस मामले की जांच मेक्सिको के अटॉर्नी जनरल कार्यालय द्वारा की जा रही है। उन्होंने कहा कि जहां कहीं भी अपराध की आशंका होगी, वहां यह एजेंसी जांच को अपने हाथ में लेगी। शीनबाम ने उम्मीद जताई कि सीआईए की यह संलिप्तता एक अलग-थलग घटना होगी और इसे भविष्य में द्विपक्षीय सुरक्षा सहयोग का हिस्सा नहीं बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि मेक्सिको का सम्मान किया जाना चाहिए।

विदेशी एजेंटों की मौजूदगी को हल्के में नही लिया जा सकता

इससे पहले 21 अप्रैल को भी शीनबाम ने स्पष्ट किया था कि संघीय सरकार को इस बात की कोई जानकारी नहीं थी कि उत्तरी मेक्सिको में ड्रग विरोधी अभियान में सीआईए एजेंट शामिल थे। उन्होंने कहा कि टेक्सास से सटे इस राज्य में विदेशी एजेंटों की मौजूदगी को हल्के में नहीं लिया जा सकता, क्योंकि यह राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता का मामला है। उन्होंने कहा कि हम यह सत्यापित कर रहे हैं कि वे अधिकृत थे या नहीं। यह बयान उन्होंने उस घटना के संदर्भ में दिया, जो उस समय सामने आई जब चिहुआहुआ के पहाड़ी क्षेत्र में ड्रग लैब को नष्ट करने के दौरान दो अमेरिकी एजेंटों की एक दुर्घटना में मौत हो गई। शीनबाम ने जोर देकर कहा कि संभावित रूप से राष्ट्रीय कानूनों के उल्लंघन को देखते हुए विदेश मंत्रालय ने मेक्सिको में अमेरिकी राजदूत को पत्र भेजकर इस मामले से जुड़ी पूरी जानकारी मांगी है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस तरह की कार्रवाई स्थापित सुरक्षा प्रोटोकॉल का हिस्सा नहीं है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सरकार के साथ कोई भी संबंध, खासकर सुरक्षा मामलों में, संघीय सरकार के माध्यम से ही होना चाहिए। राष्ट्रपति ने दोहराया कि सरकार को CIA एजेंटों की इस कार्रवाई की कोई जानकारी नहीं थी और बिना अनुमति किसी भी विदेशी एजेंसी का मेक्सिको में संचालन स्वीकार्य नहीं है।

ऑस्ट्रेलिया का बड़ा कदम : मेटा-गूगल और टिकटॉक पर टैक्स लगाने का प्रस्ताव, पत्रकारों को मिलेगा भुगतान

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने डिजिटल दिग्गज कंपनियों मेटा, गूगल और टिकटॉक पर टैक्स लगाने का प्रस्ताव रखा है, ताकि पत्रकारों और समाचार संस्थानों को आर्थिक सहयोग दिया जा सके। सरकार ने मंगलवार को इस संबंध में ड्राफ्ट कानून जारी किया, जिसे 2 जुलाई तक संसद में पेश करने की योजना है। इस कानून का उद्देश्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को समाचार संगठनों के साथ व्यावसायिक समझौते करने के लिए प्रोत्साहित करना है, ताकि पत्रकारिता के लिए भुगतान सुनिश्चित हो सके। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने कहा कि पत्रकारों के काम की एक आर्थिक कीमत तय करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं होना चाहिए कि बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियां पत्रकारों की बनाई सामग्री का इस्तेमाल कर मुनाफा कमाएं और उन्हें उचित भुगतान न मिले। हम मानते हैं कि पत्रकारिता में निवेश एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए बेहद जरूरी है। यह ऑस्ट्रेलिया का दूसरा प्रयास है, जिसके तहत डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को समाचार सामग्री टेक्स्ट और इमेज के लिए भुगतान करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। इससे पहले 2021 में लागू किए गए समाचार मीडिया सौदेबाजी संहिता के जरिए भी कंपनियों पर दबाव बनाया गया था। उस समय प्लेटफॉर्म्स ने मध्यस्थता से बचने के लिए समाचार संस्थानों के साथ व्यावसायिक समझौते किए थे, ताकि कोई जज उनकी कीमत तय न करे। लेकिन बाद में इन कंपनियों ने उन समझौतों को नवीनीकृत करने से बचने के लिए अपने प्लेटफॉर्म्स से समाचार सामग्री हटाना शुरू कर दिया। अब सरकार 'समाचार सौदेबाजी प्रोत्साहन' नाम से नया प्रावधान ला रही है।

गृह विभाग की फंडिंग खत्म होने की कगार पर, टीएसए कर्मचारियों के वेतन पर भी खतरा, हवाई सुरक्षा पर असर की आशंका

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में एक बार फिर सरकारी फंडिंग को लेकर बड़ा संकट खड़ा होता नजर आ रहा है। व्हाइट हाउस ने कांग्रेस को चेतावनी दी है कि डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी और उससे जुड़े अहम विभागों के पास कर्मचारियों को भुगतान करने के लिए फंड जल्द ही खत्म हो सकता है। इससे देश की हवाई सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है।

प्रबंधन और बजट कार्यालय ने सांसदों को एक मेमो भेजकर बताया है कि परिवहन सुरक्षा प्रशासन और अन्य कर्मचारियों की सैलरी के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कार्यकारी आदेश से दिया गया पैसा मई तक खत्म हो जाएगा। इससे एयरपोर्ट संचालन और राष्ट्रीय सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। सरकार का कहना है कि अगर जल्द ही बजट पारित नहीं किया गया तो सुरक्षा कर्मियों के वेतन और संचालन दोनों पर संकट गहरा जाएगा। मेमो में कहा गया है कि प्रतिनिधि सभा को सीनेट द्वारा पिछले हफ्ते पास किए गए बजट प्रस्ताव को जल्द मंजूरी देनी चाहिए, ताकि विभाग को पूरा फंड मिल सके। मेमो के अनुसार होमलैंड सिक्योरिटी विभाग जल्द ही जरूरी फंड से खत्म हो जाएगा, जिससे जरूरी कर्मचारियों और कामकाज पर खतरा पैदा हो सकता है। अमेरिकी संसद में बजट को लेकर राजनीतिक खींचतान लगातार जारी है। रिपब्लिकन और डेमोक्रेट्स के बीच सहमति न बनने के कारण कई महत्वपूर्ण विभागों की फंडिंग अटक गई है। इस बीच, हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में भी आंतरिक विवाद के चलते बजट प्रक्रिया धीमी पड़ गई है, जिससे पूरा सिस्टम लगभग ठप जैसा हो गया है। ट्रंप प्रशासन का यह दबाव हाउस स्पीकर माइक जॉनसन के लिए मददगार साबित हो सकता है। उनकी रिपब्लिकन पार्टी के पास बहुत कम बहुमत है और पार्टी के अंदर कई मुद्दों पर मतभेद चल रहे हैं, जिनमें होमलैंड सिक्योरिटी की फंडिंग भी शामिल है। इसी वजह से सदन का कामकाज लगभग ठप पड़ा हुआ है। अब उम्मीद है कि प्रतिनिधि सभा बुधवार को सीनेट द्वारा पास किए गए बजट प्रस्ताव पर वोट करेगी। यह प्रस्ताव एक ऐसी प्रक्रिया शुरू करेगा जिससे विभाग को पूरी फंडिंग मिल सकेगी। प्रशासन ने रिपब्लिकन सांसदों को चेतावनी दी है कि अगर वे इस प्रस्ताव में बदलाव करते हैं तो बिल पास होने में देरी हो सकती है।

ईरान ने अमेरिका पर लगाया 'समुद्री डकैती' का आरोप, खाड़ी देश भी नाकाबंदी को लेकर तेहरान से नाराज

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। पश्चिम एशिया में समुद्री रास्तों और सुरक्षा को लेकर तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। इसका बड़ा कारण अमेरिका और ईरान के इन मुद्दों पर आमने-सामने आना है, जिसके चलते अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी हलचल तेज हो गई है। ऐसे में ईरान ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में एक औपचारिक शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया है कि अमेरिका उसके जहाजों को रोककर समुद्री डकैती जैसा काम कर रहा है। ईरान के यूएन राजदूत अमीर सईद इरावानी ने कहा कि अमेरिका के पास इन कार्रवाइयों का कोई कानूनी आधार नहीं है और यह अंतरराष्ट्रीय नियमों के खिलाफ है।

उनका कहना है कि ऐसे कदम वैश्विक व्यापार और समुद्री सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा हैं और इससे अंतरराष्ट्रीय कानून कमजोर होता है। ईरान का दावा है कि उसकी समुद्री गतिविधियों पर रोक लगाना और जहाजों को जब्त करना गलत और दबाव बनाने की रणनीति है। इसी के साथ ईरान ने यह भी संकेत दिया है कि वह तनाव कम करने के लिए बातचीत को तैयार है, लेकिन इसके लिए कुछ शर्तें भी रखी हैं।

यूएन में ईरान का प्रस्ताव

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान ने प्रस्ताव दिया है कि अगर उसके खिलाफ सैन्य कार्रवाई रोकी जाती है और अमेरिकी प्रतिबंध हटाए जाते हैं, तो वह होर्मुज जलडमरूमध्य में सैन्य गतिविधियां कम कर सकता है। यह वही अहम समुद्री रास्ता है जहां से दुनिया के बड़े पैमाने पर तेल का व्यापार होता है।

रूसी राष्ट्रपति से भी हुई बातचीत

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने इस प्रस्ताव पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से भी बातचीत की है। वहीं अमेरिका में इस प्रस्ताव पर विचार किया जा रहा है, लेकिन वहां से यह साफ कहा गया है कि ईरान को इस महत्वपूर्ण समुद्री रास्ते पर पूरी तरह नियंत्रण नहीं दिया जा सकता।

होर्मुज में ईरान की गतिविधियों पर जीसीसी ने जताई चिंता

दूसरी ओर खाड़ी देशों के संगठन खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) ने भी होर्मुज में ईरान की गतिविधियों पर चिंता जताई है। जीसीसी ने कहा है कि समुद्री रास्तों को बंद करना या वहां से गुजरने वाले जहाजों पर रोक लगाना स्वीकार नहीं किया जा सकता। संगठन ने यह भी कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में सुरक्षा और स्वतंत्र आवाजाही बहाल रहनी चाहिए। जीसीसी नेताओं ने क्षेत्र में बढ़ते तनाव पर चिंता जताते हुए कहा है कि कूटनीतिक रास्ते से ही इस संकट का हल निकालना जरूरी है। साथ ही उन्होंने रक्षा और सुरक्षा सहयोग बढ़ाने, और क्षेत्र में रणनीतिक ढांचे को मजबूत करने पर जोर दिया है। कुल मिलाकर, एक तरफ ईरान और अमेरिका के बीच समुद्री रास्तों को लेकर टकराव बढ़ रहा है, तो दूसरी तरफ खाड़ी देश और अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थ स्थिति को संभालने और बातचीत के जरिए समाधान निकालने की कोशिश कर रहे हैं।

'राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को क्लीन चिट दी', कांग्रेस ने रक्षा मंत्री के बयान को क्यों बताया देश-विरोधी?

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने बुधवार को आरोप लगाया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में पाकिस्तान को आतंकवाद के मुद्दे पर क्लीन चिट दे दी और उनके बयान राष्ट्रविरोधी करार दिया। कांग्रेस के संचार प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि पाकिस्तान को लेकर यह नया रुख प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका के प्रति तुष्टिकरण और चीन के प्रति संतुलित समर्पण की नीति का हिस्सा है।

जयराम रमेश ने बिश्केक में राजनाथ सिंह के भाषण का एक वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने कहा था, 'हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि आतंकवाद की कोई राष्ट्रीयता या धर्म नहीं होता।' रमेश ने एक्स पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पर निशाना साधते हुए कहा, 'कल रक्षा मंत्री ने, बिश्केक में बोलते हुए पाकिस्तान को शर्मनाक तरीके से आतंकवाद के मुद्दे पर क्लीन चिट दे दी, जो साफ तौर पर प्रधानमंत्री की मंजूरी और निर्देश पर दी गई।' कांग्रेस ने सवाल किया, 'क्या पाकिस्तान आतंकवाद का केंद्र नहीं है? क्या वहां भारत को निशाना बनाने वाले आतंकी शिविर नहीं हैं? क्या पाकिस्तान में भारत विरोधी विचारधारा का प्रचार नहीं होता? क्या मुंबई और पहलगाम आतंकी हमलों की साजिश पाकिस्तान से जुड़े आतंकियों ने नहीं की थी?' जयराम रमेश ने कहा, 'साफ तौर पर पाकिस्तान के प्रति यह नया रुख प्रधानमंत्री की अमेरिका के प्रति तुष्टिकरण और चीन के प्रति संतुलित समर्पण की नीति का हिस्सा है।' उन्होंने आरोप लगाया, 'रक्षा मंत्री के ये चौंकाने वाला बयान उतना ही राष्ट्रविरोधी हैं, जितनी 19 जून 2020 को प्रधानमंत्री द्वारा चीन को दी गई क्लीन चिट थी।

राजनाथ सिंह ने बिना नाम लिए पाकिस्तान को घेरा

बिश्केक में एससीओ सम्मेलन में अपने संबोधन में राजनाथ सिंह ने यह भी कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर ने भारत के इस दृढ़ संकल्प को दिखाया है कि आतंक के केंद्र के खिलाफ अब उचित और कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने एससीओ संगठन से यह भी अपील की कि राज्य प्रायोजित सीमा-पार आतंकवाद को नजरअंदाज न किया जाए और इस समस्या से निपटने में किसी भी प्रकार के दोहरे मापदंड के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए।

बंगाल में बस राफेल की तैनाती बाकी रह गई... मतदान के बीच ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी का तंज

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में कड़ी सुरक्षा के बीच दूसरे चरण के लिए 142 विधानसभा सीटों पर वोट डाले जा रहे हैं। चुनाव आयोग ने सुचारू मतदान कराने के लिए 8 जिलों में केंद्रीय बलों की 2,321 कंपनियां तैनात की हैं और कई पर्यवेक्षकों को भी लगाया है। हालांकि कड़ी सुरक्षा को लेकर तृणमूल कांग्रेस बहुत नाराज है। पार्टी के नेता अभिषेक बनर्जी ने तंज कसते हुए कहा कि बंगाल में अब बस राफेल जेट की तैनाती ही बाकी रह गई थी।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी ने कहा, "बंगाल में बस राफेल डिप्लॉय करना ही बाकी रह गई थी। आईएनएस के वॉरशिप भी डिप्लॉय करना बाकी रह गया है। चुनाव को लेकर चुनाव आयोग ने इतनी भारी फोर्स उतार दी है।" उन्होंने आगे कहा, "जो तैनाती पाकिस्तान और बांग्लादेश के खिलाफ करनी चाहिए थी वो बंगाल के लोगों के लिए कर रहे हैं।"

क्या चुनाव इस तरह से होते हैं : ममता बनर्जी

मुख्य चुनाव आयुक्त को निशाना बनाते हुए अभिषेक ने कहा, "ज्ञानेश कुमार आपको जिसे उतारना है उतार लो। हम यहां भारी तादाद से चुनाव जीतेंगे। और यही नहीं तृणमूल कांग्रेस 2021 से भी अधिक सीटें इस बार जीतेगी।" दूसरी ओर, पश्चिम बंगाल की भवानीपुर विधानसभा सीट से TMC उम्मीदवार ममता बनर्जी ने भी कहा, "बाहर से इतने सारे ऑब्जर्वर आए हैं। BJP जो कुछ भी कहती है, वे वही सब कर रहे हैं। जरा आस-पास देखिए, हमारे सारे पोस्टर हटा दिए गए हैं। क्या चुनाव इसी तरह होते हैं? वोट तो वोटर डालेंगे, न कि पुलिस या सुरक्षा बल। हाल ही में कुछ नए लोगों को लाया गया है, और वे जो मन में आ रहा है, वही कर रहे हैं। वे तो आतंकवाद फैला रहे हैं।"

सुरक्षा बलों के साथ कई पर्यवेक्षकों की तैनाती

इससे पहले आज बुधवार सुबह से पश्चिम बंगाल में वोटिंग को लेकर हलचल बनी हुई है। भारी सुरक्षा के बीच 142 सीटों पर वोटिंग शुरू हुई। कोलकाता उत्तर, कोलकाता दक्षिण, हावड़ा, उत्तर 24 परगना, दक्षिण 24 परगना के साथ-साथ नदिया, हुगली और पूर्व बर्धमान जिलों के पोलिंग बूथों के बाहर सुबह 7 बजने से पहले ही वोटर्स की लंबी-लंबी लाइनें लगनी शुरू हो गई थीं। दूसरे चरण की वोटिंग में 1.57 करोड़ महिलाओं और 792 ट्रांसजेंडर समेत कुल 3.21 करोड़ पात्र वोटर्स हैं और ये लोग 41,001 पोलिंग बूथों पर वोट डाल रहे हैं। चुनाव आयोग ने सुचारू मतदान के लिए इन जिलों में केंद्रीय सुरक्षा बलों की 2,321 कंपनियां तैनात की हैं, जिनमें राजधानी कोलकाता में सबसे अधिक 273 कंपनियां तैनात की गई हैं। सुरक्षा बलों के अलावा, 142 सामान्य पर्यवेक्षक, 95 पुलिस पर्यवेक्षक और 100 व्यय पर्यवेक्षक भी तैनात किए गए हैं। साथ ही मतदान प्रक्रिया की निगरानी के लिए ड्रोन का उपयोग किया जा रहा है।

पहले चरण में हुआ था भारी मतदान

इससे पहले पहले चरण के लिए 23 अप्रैल को कराए गए मतदान में 93.19 फीसदी मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया था, जो राज्य में अब तक का सबसे अधिक मतदान प्रतिशत है। सत्तारूढ़ टीएमसी ने साल 2021 के चुनाव में इन 142 सीट में से 123 पर जीत हासिल की थी जबकि बीजेपी के खाते में महज 18 सीटें आई थीं। इसके अलावा इंडियन सेकुलर फ्रंट (आईएसएफ) को एक सीट मिली थी। इस चरण में सबसे अहम मुकाबला भवानीपुर में हो रहा है, जहां मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का सामना विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी से है।

अजय देवगन ने दी 'गोलमाल 5' की शूटिंग से जुड़ी अपडेट, दिखाई कास्ट की एक झलक, कहा- इस बार एंटरटेनमेंट बड़ा होगा

अजय देवगन ने मच अवेटेड फिल्म 'गोलमाल 5' की शूटिंग को लेकर अपडेट साझा की है।

लोकप्रिय फ्रेंचाइजी 'गोलमाल' की पांचवीं फिल्म 'गोलमाल 5' फ्लोर पर लौट चुकी है। फिल्म की शूटिंग चल रही है। अब अजय देवगन ने फिल्म की शूटिंग से जुड़ी नई अपडेट साझा की है। इसके साथ ही अजय देवगन ने फिल्म की कास्ट की एक झलक भी दिखाई है, जिसमें फिल्म के प्रमुख किरदार नजर आ रहे हैं।

देवगन ने 'गोलमाल 5' के ऊटी शेड्यूल को लेकर जानकारी साझा की है। अजय देवगन ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट की है। इसमें उन्होंने फिल्म की कास्ट की भी झलक दिखलाई है। अजय ने अपनी पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'इस बार सवारी बड़ी है और एंटरटेनमेंट उससे भी ज्यादा बड़ा होगा। गोलमाल 5 का ऊटी शेड्यूल लड़कों के साथ।'

अजय की पोस्ट से साफ है कि फिल्म का ऊटी का शेड्यूल शुरू हो चुका है। अजय की इस पोस्ट में अजय के अलावा अरशद वारसी, तुषार कपूर, श्रेयस तलपड़े, शरमन जोशी और कुणाल खेमू नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही जैसा अजय देवगन ने संकेत दिया कि इस बार गोलमाल की बाइक और भी बड़ी हो गई है। क्योंकि इस बार शरमन जोशी की फिल्म में पहले सीजन के बाद वापसी हुई है।

रोहित शेट्टी के जन्मदिन पर हुई थी फिल्म की घोषणा

14 मार्च को रोहित शेट्टी के जन्मदिन पर मेकर्स ने 'गोलमाल 5' की घोषणा की थी। इसके साथ ही फिल्म का एक टीजर जारी किया गया था, जिसमें फिल्म की पूरी कास्ट नजर आती है। इसके साथ ही मेकर्स ने स्पष्ट किया कि 'गोलमाल 5' में अक्षय कुमार की भी एंट्री हुई है। अक्षय टीजर में बाल्ड लुक में नजर आए। इसके बाद अब फैंस अक्षय को फिल्म में देखने के लिए उत्साहित हैं। अक्षय कुमार के फ्रेंचाइजी से जुड़ने से अब 'गोलमाल 5' को लेकर फैंस का उत्साह और भी बढ़ गया है।

रश्मिका मंदाना की मैसा का केरल शेड्यूल शुरू, केचा मास्टर के निर्देशन में शूट होंगे 15 दिनों के जबरदस्त एक्शन सीन्स

साउथ सिनेमा की खूबसूरत हसीना रश्मिका मंदाना की मैसा 2026 की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक होने वाली है। अपनी वर्सटालिटी और स्क्रीन प्रेजेंस के लिए मशहूर रश्मिका इस फिल्म में एक जबरदस्त एक्शन अवतार में नजर आएंगी, जो उनकी इमेज को पूरी तरह बदल सकता है।

हाल ही में आए एक पोस्टर ने उनके इंटेंस ट्रांसफॉर्मेशन की झलक दिखाई थी। खबरों की मानें तो रश्मिका फिल्म के डिमांडिंग एक्शन सीन्स के लिए कड़ी मेहनत और डेली ट्रेनिंग कर रही हैं। हाई-इम्पैक्ट स्टंट्स से लेकर फिजिकली चैलेंजिंग सीन्स तक, वो कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं।

फैंस की एक्साइटमेंट बढ़ाते हुए मेकर्स ने अब एक नया वीडियो शेयर किया है, जिसमें बताया गया है कि केरल में 15 दिनों का शूटिंग शेड्यूल शुरू हो चुका है। इस हाई-ऑक्टेन शेड्यूल की एक्शन कोरियोग्राफी केचा मास्टर कर रहे हैं।

वीडियो में रश्मिका एक्शन डायरेक्टर के साथ घने जंगलों के बीच कॉम्बैट मूव्स की रिहर्सल करती दिख रही हैं, जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि फिल्म में बेहद रॉ और खतरनाक एक्शन सीक्वेंस होंगे। साफ है कि मैसा में रश्मिका का एक पावरफुल एक्शन अवतार देखने को मिलने वाला है।

वीडियो शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, मैसा एक्शन में वापस आ गई है, केरल में फिलहाल 15 दिनों का एक हाई-ऑक्टेन शेड्यूल चल रहा है, जिसकी एक्शन कोरियोग्राफी जैकास्टंट्स मास्टर द्वारा की जा रही है। रश्मिका मंदाना अपने अब तक के सबसे विस्फोटक और इंटेंस अवतार में पर्दे पर आग लगाने के लिए तैयार हैं।

फिल्म के विजुअल स्टोरीटेलिंग सिनेमैटोग्राफर श्रेयस कृष्णा ने तैयार किए हैं, जबकि इसका म्यूजिक जेक्स बेजॉय ने कंपोज किया है। फिल्म के एक्शन लेवल को बढ़ाने के लिए, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मशहूर स्टंट कोरियोग्राफर एंडी लॉन्ग इस महत्वाकांक्षी एंटरटेनर के हाई-इंटेंसिटी सीन्स को डिजाइन कर रहे हैं।

अनफॉर्मूला फिल्म्स द्वारा निर्मित और रविंद्र पुल्ले द्वारा निर्देशित, मैसा आदिवासी इलाकों पर आधारित एक इमोशनल एक्शन थ्रिलर है, जो दमदार विजुअल्स, एक दिलचस्प कहानी और रश्मिका की यादगार परफॉरमेंस का वादा करती है।

ऋचा चड्ढा पहली बार निभाने जा रहीं ऐसा अवतार, ओटीटी पर चौंकाएगा नया अंदाज

मसान और फुकरे जैसी फिल्मों में अपनी अमिट छाप छोड़ने वालीं ऋचा चड्ढा एक बार फिर चर्चा में हैं। आखिरी बार उन्हें संजय लीला भंसाली की सीरीज हीरामंडीः द डायमंड बाजार (मई, 2024) में लज्जो का किरदार निभाते हुए देखा गया था। ताजा अपडेट है कि ऋचा एक बिल्कुल अलग अवतार में दर्शकों को फिर से चौंकाने के लिए आ रही हैं। उन्हें जल्द ही ओटीटी की एक रोमांचक क्राइम थ्रिलर सीरीज में मुख्य किरदार निभाते हुए देखा जाएगा।

के मुताबिक, ऋचा को उनके द्वारा निभाई गई पीरियड भूमिका से बिलकुल अलग, आगामी परियोजना में एक जासूस के किरदार में देखा जाएगा। सीरीज के बारे में ज्यादा विवरण तो सामने नहीं आया है, लेकिन अभिनेत्री ने इसकी शूटिंग शुरू कर दी है। यह शो अपराध और जांच की पृष्ठभूमि पर आधारित एक जटिल कहानी दर्शकों के सामने पेश करेगा। इसमें अभिनेत्री का किरदार बतौर जासूस इन रहस्यों की गुत्थी को सुझलाने का काम करेगा।

सूत्र ने कहा, हीरामंडी के बाद और प्रेग्नेंसी के बाद, ऋचा कुछ बिल्कुल अलग करना चाहती थीं। एक जासूस की भूमिका उन्हें तीक्ष्ण और बौद्धिक क्षमता का प्रदर्शन दिखाने का मौका देती है। उन्होंने शूटिंग शुरू कर दी है, और इसका लुक और टोनैलिटी उनके द्वारा पहले किए गए किसी भी काम से बिल्कुल अलग है। बता दें, हीरामंडी की रिलीज के बाद जुलाई, 2024 में ऋचा ने बेटी को जन्म दिया था। तब से वह पर्दे से दूर हैं।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com